शालाक्य तंत्र (PA-I)

Introduction -

- शालाक्य निरुक्ति
- परिचय
- इतिहास
- नेत्र रचना शारीर
- संधि
- दृष्टि विचार
- नेत्र क्रिया शारीर ⑦
- Modern Anatomy of eye.
- eye examination
- Basic Instruments
- नेत्र रोग नाम
- नेत्र रोग classification.

नेत्र सामान्य and विशिष्ट चिकित्सा -

- नेत्र चक्षु स्वास्थ्य
- क्रिया कल्प's
- नेत्र शास्त्र चिकित्सा - • Para surgical procedures

- पूर्व, प्रधान, पश्चात कर्म
- आम - पच्यमान व्रण शोथ
  पक्व
- व्रणितोपासन
- प्राणाश्रया शल्य
- व्रण बन्धन
- Sterilization
- Asepsis - maintain
- Antisepsis - concerned ⑥ -
- Essential diagnostic and Pharmacological Agents.

III सन्धिगत रोग -

- सन्धिगत रोग Numbers - ①
- पूयालस
- स्राव रोग
- कृमि ग्रन्थि,
- पर्वणी
- अलजी
- Dacryocystitis
- epiphora
- Blepharitis.

I वर्त्मगत रोग - Major वर्त्मगत रोग

- अंजनामिका
- उत्संगिनी
- लगन (लगण)
- वातहत
- वर्त्म
- पक्ष्मकोप
- सिक्त वर्त्म
- पोथकी
- क्लिष्ट वर्त्म
- Krichhronmadana
- कुकूणक
- वर्त्म अर्बुद
- उत्क्लिष्ट
- निमेष
- पक्ष्मशात
- वर्त्मार्श

- Hordeolum
- Ptosis
- Trichiasis
- entropion

(5)

V. 08. शुक्लगत रोग - Number - Pingueculа

- अर्म
- अर्जुन
- शुक्तिका
- सिराजपिडिका
- सिरा जाल
- पिष्टिता (पिष्टक)
- बलास ग्रथित
- Pterygium (Eyeweb)
- Scleritis
- episcleritis
- Sub-conjuctival Hamorrhage

VI 06.

- कृष्णगत रोग - Number

- क्षत शुक्ल (शुक्र) - corneal ulcer
- अव्रण शुक्र - Corneal opacity
- सिर शुक्ल - uveitis
- अक्षिपाकात्यय - Iridocycl
- अजकाजातक - Staphyloma

सर्वगत रोग -

- Number
- अभिष्यन्द
- अधिमन्थ
- हताधिमन्थ
- शुष्काक्षिपाक
- अम्लोषित
- वात पर्यय
- अन्यतो वात
- सशोफ नेत्रपाक
- अशोफाक्षिपाक
- पिल्ल रोग — (228) sks.
- सिरोत्पात
- सिराहर्ष

- conjunctivitis
- Glaucoma
- Dry eye syndrome

③

दृष्टिगत रोग

- तिमिर
- काच
- लिंग नाश
- अभिघात लिंगनाश
- सन्निमित्तज
- अनिमित्तज लिंगनाश
- कफ विदग्ध दृष्टि
- नकतान्ध्य
- उष्णविदग्ध दृष्टि
- पित्त विदग्ध दृष्टि

- धूमदर्शी
- ह्रस्वजाड्य
- गंभीरिका
- नकुलान्ध्य
- नयनाभिघात

↓

- Refractive errors
- Cataract
- Eale's diseases.
- Hypertensive and Diabetic Retinopathies.
- Age Related Macular degeneration.
- Strabismus.
- Retinitis Pigmentosa
- Night Blindness.
- Amblyopia.
- C. Serous Retinopathy
- Optic Nouritis
- Optic Atrophy.

(2)

- Xeropthalamia
- Malnutritional eye disease
- Ocular traumas
- Eyebank
- Eye donation
- Cornea transplantation
- Preventive opthalmology
- Community opthalmology

पित्त रोग (सर्वगत रोग)

- पित्त रोग directly co-relates with the 18 types of व्याधि comes under पित्त रोग's (अ.हृ. 16/44)

- classifications -

- कफज उत्क्लिष्टव्य — (1)
- पित्तज उत्क्लिष्टा — (2)
- रक्तज उत्क्लिष्टा — (3)
- सन्निपातज उत्क्लिष्टा — (4)
- कुकूणक : — (5)
- पक्ष्मकोप — (6)
- शुष्काक्षिपाक : — (7)
- पूयालस — (8)
- बिस वर्त्म — (9)
- पोथकी — (10)
- अम्लोषित — (11)
- अल्पाख्य : — (12)
- पित्तज अभिष्यन्द — (13)
- कफज अभिष्यन्द — (14)
- रक्तज अभिष्यन्द — (15)
- पित्तज अधिमन्थ — (16)
- कफज अधिमन्थ — (17)
- रक्तज अधिमन्थ — (18)

Total = 18 व्याधि's.

○ चिकित्सा -

- स्नेहन — ①
- स्वेदन — ②
- वमन — ③
- सिव्याध — ④
- विरेचन — ⑤
- रस चिकित्सा — ⑥
- तर्पण कर्म — ⑦
- रक्तमोक्षण — ⑧
- अञ्जन — ⑨
- आश्च्योतन — ⑩
- नस्य कर्म — ⑪
- धूमपान — ⑫.

Scanned with OKEN Scanner

वर्णगत रोग

Flowchart –

निदान सेवन ——— (1)

↓

Vitiated दोष's ——— (2)

↓

Goes into सिरा's ——— (3)

↓

Localises in वर्ण मण्डल ——— (4)

↓

Vitiated मांस and रक्त ——— (5)

↓

Produces वर्णगत रोग's. ——— (6)

Scanned with OKEN Scanner

शालाक्य तंत्र

- शालाकं नाम ऊर्ध्व जत्रुगतानां श्रवण नयन वदन घ्राणादी।
संश्रितानां व्याधीनां उपशमनार्थम् च। सू.सू 1/8.

- शालाक्य तंत्र deals with —
  - Ear — ①
  - Eyes — ②
  - oral cavity — ③
  - Nose — ④

- शालाक्य तंत्र also includes शिरो रोग and कपाल रोग।
- It's also called as ऊर्ध्वांग चिकित्सा।

Scope of शालाक्य तंत्र

- various elements or organs described in शालाक्य तंत्र
- They are as follows :-

- कण्ठ	- ओष्ठ
- तालु	- दन्तमूल
- दन्त	- नासा
- कर्ण	- लोचन
- शिर	- आस्य

A/c to हरित संहिता

- सिरो रोग — ①
- नेत्र रोग — ②
- कर्ण रोग — ③
- कण्ठ रोग — ④
- रवित्व रोग — ⑤
- मन्या रोग — ⑥
- नस्य रोग — ⑦
- अञ्जन — ⑧
- मुख रोग — ⑨.

पर्याय of शालाक्य तंत्र

- उत्तमाङ्ग चिकित्सा — ①
- ऊर्ध्वाङ्ग चिकित्सा — ②
- शालाक्य विज्ञान — ③
- चक्षु वैद्य — ④.

A/c to सुश्रुत संहिता

- Description of संधि, वर्त्म, शुक्ल, कृष्ण दृष्टि
- Treatment of वातज, पित्तज, कफज and रक्तज
- Surgeries of वर्त्म मण्डल

• शालाक्य इतिहास •

- शालाक्य तंत्र is one of the full fledged Branches. of अष्टांग आयुर्वेद

- चन्दोग्य उपनिषद
  - शुक्ल — (1)
  - नील — (2)
  - कृष्ण — (3).

- हिरण्मय — Golden Parts — (1)
- हिरण्यकेश — Golden threads — (2)
- हिरण्यश्मश्रु — Golden tuft — (3).

- Space B/w शुक्लम् and कृष्णम् = अंतरिक्ष

1) शुक्लम् — (1)
2) लोहितम् — (2)
3) कृष्णम् — (3)
4) शुक्ल — (4)
5) लोक — (5)
6) अंतरिक्ष — (6).

Scanned with OKEN Scanner

नेत्र रचना शारीरम्

The Human Body is divided into 06 Major parts called (अंग's) and further divided in प्रत्यंग

नेत्र is one among the प्रत्यंग (subsidiary Part) of the Head.

प्रत्यंग's are as follows:-

- अक्षि वर्त्म — ① (eye lids) V
- अक्षि कनीनिक — ② (Pupil) K
- भ्रु — ③ (eyebrow) B
- अक्षि कूट — ④ (Orbit) K

पञ्च भौतिकत्वम् -

- श्लोक - पलं भुवो अग्नितो रक्तं वातात् कृष्णं सितं जलात् आकाशाद् अश्रुमार्गाश्च जायन्ते नेत्र बुद्बुदे ॥

Scanned with OKEN Scanner

A/c to सुश्रुत

नेत्र भाग	Part of eye	महाभूत
- पलं	Muscular Part	पृथ्वी
- रक्त	vascular Part & Blood	अग्नि
- कृष्ण	Black Portions	वायु
- सितं	white Portions	जल
- अश्रुमार्ग	Tear channels	आकाश

- A/c to वाग्भट -

P - पृथ्वी → पार्थिवाग्नि → पार्थिव Parts ——— ①

J - जल → जलाग्नि → जल Parts ——— ②

A - अग्नि → आग्नेय अग्नि → आग्नेय Parts ——— ③

V - वायु → वायु अग्नि → वायु Parts ——— ④

A - आकाश → आकाशाग्नि → आकाश Parts ——— ⑤

Scanned with OKEN Scanner

Gross Anatomy

- According to आयुर्वेद —

नयन बुदबुदम् । सुवृतं गोस्तनाकारम् ॥ सु.उ. 1/10-11

- Shape of नेत्र described with 03 words :-

- नयन बुदबुदम् (water Bubble) — ①
- सुवृतं (Perfectly Round) — ②
- गोस्तनाकारम् (teat of the cow) — ③

- नेत्र प्रमाण —

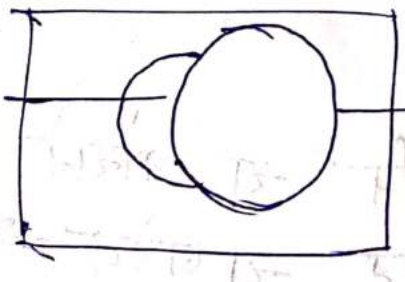

- विधात पञ्चाङ्गुल बाहुल्यं स्वाङ्गुष्ठोदर संमितम् ।
पञ्चाङ्गुल सर्वतः सार्धं भिषक नयन बुदबुदम् ॥

सु.उ 1/10

- According to श्लोक - स्व अङ्गुष्ठोदर

- बाहुल्य - Antero- Posterior diameter.

- आयाम विस्तार - vertical diameter
and
Horizontal diameter.

- सर्वतः - circumference is 3 1/2 अंगुल

- The space b/w 02 eyes is 04 अंगुल

° Parts of eye - नेत्र भाग -

- मण्डलानि च सन्धिश्च पटलानि च लोचने
यथा क्रमं विजानीयात् पञ्च षट् च षडेव च ॥
सु.उ 1/1

नयन is Made up of - मण्डल — ①
- सन्धि — ②
- पटल — ③.

- मण्डला - 05 — ①
- सन्धि — 06. — ②
- पटल — 06 — ③.

मण्डल -

मण्डल literally mean covering a circular structure

various parts appear like circular when eye is opened.

They are 05 in Number

पक्ष्म मण्डल — ① P

वर्त्म मण्डल — ② V

शुक्ल मण्डल — ③ S.

कृष्ण मण्डल — ④ K

दृष्टि मण्डल — ⑤ D.

[P K K S D.] P V K S D.

पक्ष्म मण्डल - circle of eyelashes — ①

वर्त्म मण्डल - circle of eyelids — ②

शुक्ल मण्डल - circle of white portion — ③

कृष्ण मण्डल - circle of cornea — ④

दृष्टि मण्डल - circle of vision — ⑤.

Scanned with OKEN Scanner

① पक्ष्म मण्डल – The word पक्ष्म refers to the eye lashes

- Situated in lid Margins called पक्ष्माशय
- उपधातु of मांस
- पक्ष्मकोप
- पक्ष्मशात
- पक्ष्मोपरोध
- क्रिमिग्रन्थि

] which affecting पक्ष्म मण्डल

② वर्त्म मण्डल –

- वर्त्म मण्डल is also called as अक्षि कोष (covering of eye)
- Protective functions.
- External Muscles of eye called as मण्डल पेशी
- Movement of eyelid is Regulated by निमेश – उन्मेश –
- वर्त्म is attached by संधि बन्धन. सिरा

दोष of वर्त्म मण्डल

- पृथ्वी महाभूत - Predominance. —— ①
- स्थानिका दोष - कफ दोष —— ②.
- कफ Provides stability to वर्त्म.

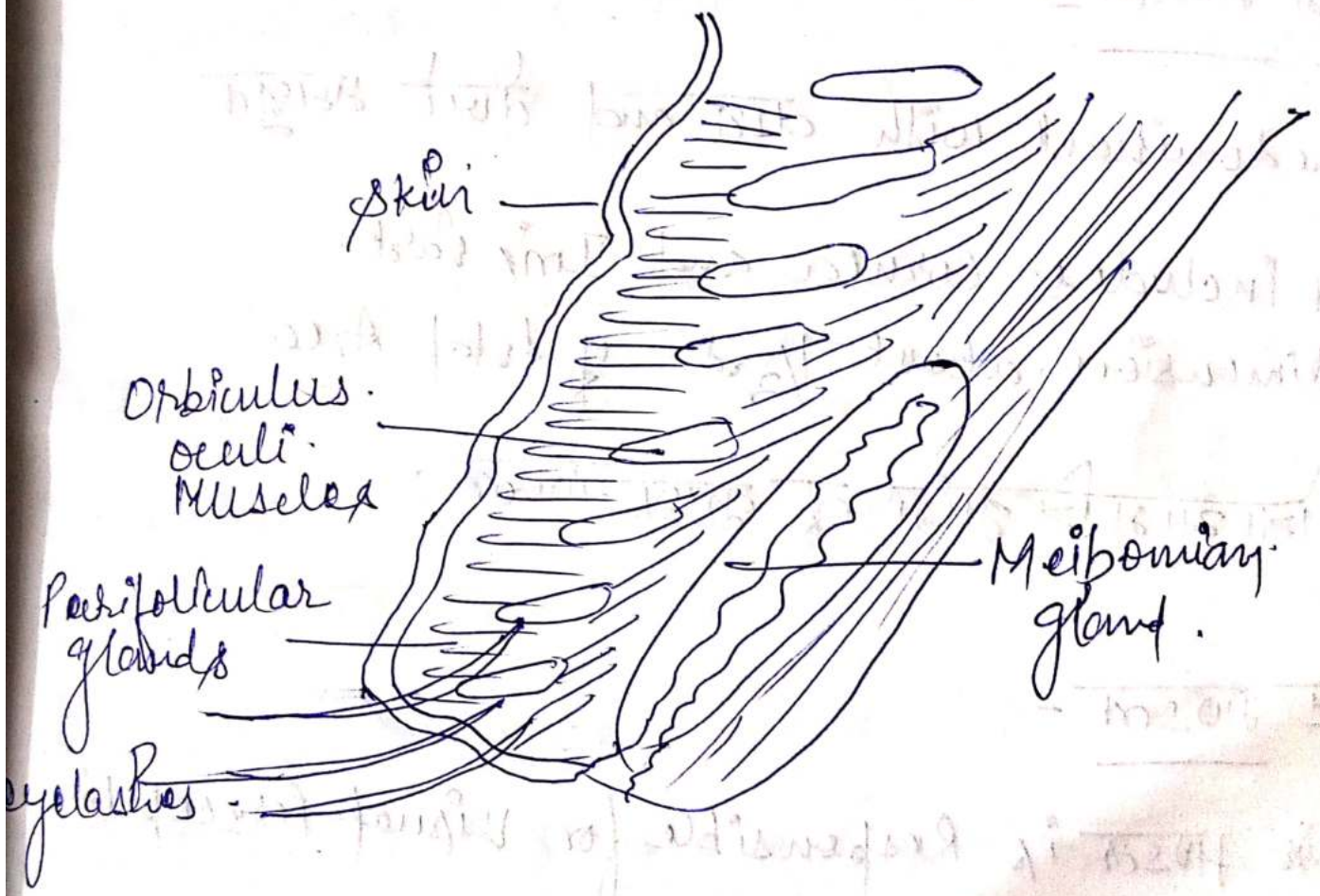

शुक्ल मण्डल -

- Also called as श्वेत मण्डल
- It is visible and white portion of eye.
- कफ Predominant due to जल महाभूत

- कफ Provides shape and stability to the eyeball through शुक्ल मण्डल

- This मण्डल includes Bulbar conjunctiva and sclera.

④ कृष्ण मण्डल -

- Predominant with वात and तेज महाभूत
- It includes cornea and Iris part.
- dimension about 1/3rd of total Area
- नेत्रायामत्रिभागं तु कृष्ण मण्डलं ।

⑧ दृष्टि मण्डल -

- This मण्डल is Responsible for visual Perception
- It is 1/7th Part of कृष्ण मण्डल
'कृष्णात् सप्तमिमिच्छन्ति दृष्टि'

- Composed of Finer Parts of पञ्चमहाभूत
- covered by external coats of eye
- It Has Natural tolerance for cold.

Scanned with OKEN Scanner

अक्षि पटल (Membrane or Coat)

- The अक्षि पटल is directly co-relates with the thin membrane or coat.

- There are 06 पटल's
among them 02 are बाह्य पटल — ①
04 are अक्षि पटल — ②

- पटल are the Refractive Medias of the eye
- There are total 06 पटल explained in our classical text.

तेजो जलाश्रितं बाह्यं तेष्वन्यत् पिशिताश्रितम्
मेदस्तृतीयं पटलमाश्रितं त्वस्थि चापरम् ।

प्रथम पटल → तेजो जलाश्रित — ① T
द्वितीय पटल → पिशिताश्रित — ② P
तृतीय पटल → मेदाश्रित — ③ M
चतुर्थ पटल → अस्थ्याश्रित — ④ A

Scanned with OKEN Scanner

① प्रथम-पटल — Formed by the तेजो and जल
(तेजोजलाश्रित) — शुक्लमण्डल → जलमहाभूत
— कृष्णमण्डल → तेजो महाभूत
— It is a 1st Refractive Med
for visual Perception.

— sclera → conjunctiva → cornea = one

② द्वितीय पटल → formed by मांस धातु.
(पिशिताश्रित) → मांस is Highly Holding the structures.
→ ciliary muscles formed this पटल.

तृतीय पटल
③ मेदाश्रित — formed by the मेदस
— essence of अस्थि धातु
— It is 03rd Refractive Media of visual Perception.

Scanned with OKEN Scanner

अस्थ्याश्रित → Formed by the अस्थि
(चतुर्थ पटल)

- also called as दृष्टि पटल
- 4th visual Perception.
- This can be co-relates with the Retina
- रूपग्रहण takes places through this पटल

आयुर्वेदीय नेत्र शारीर

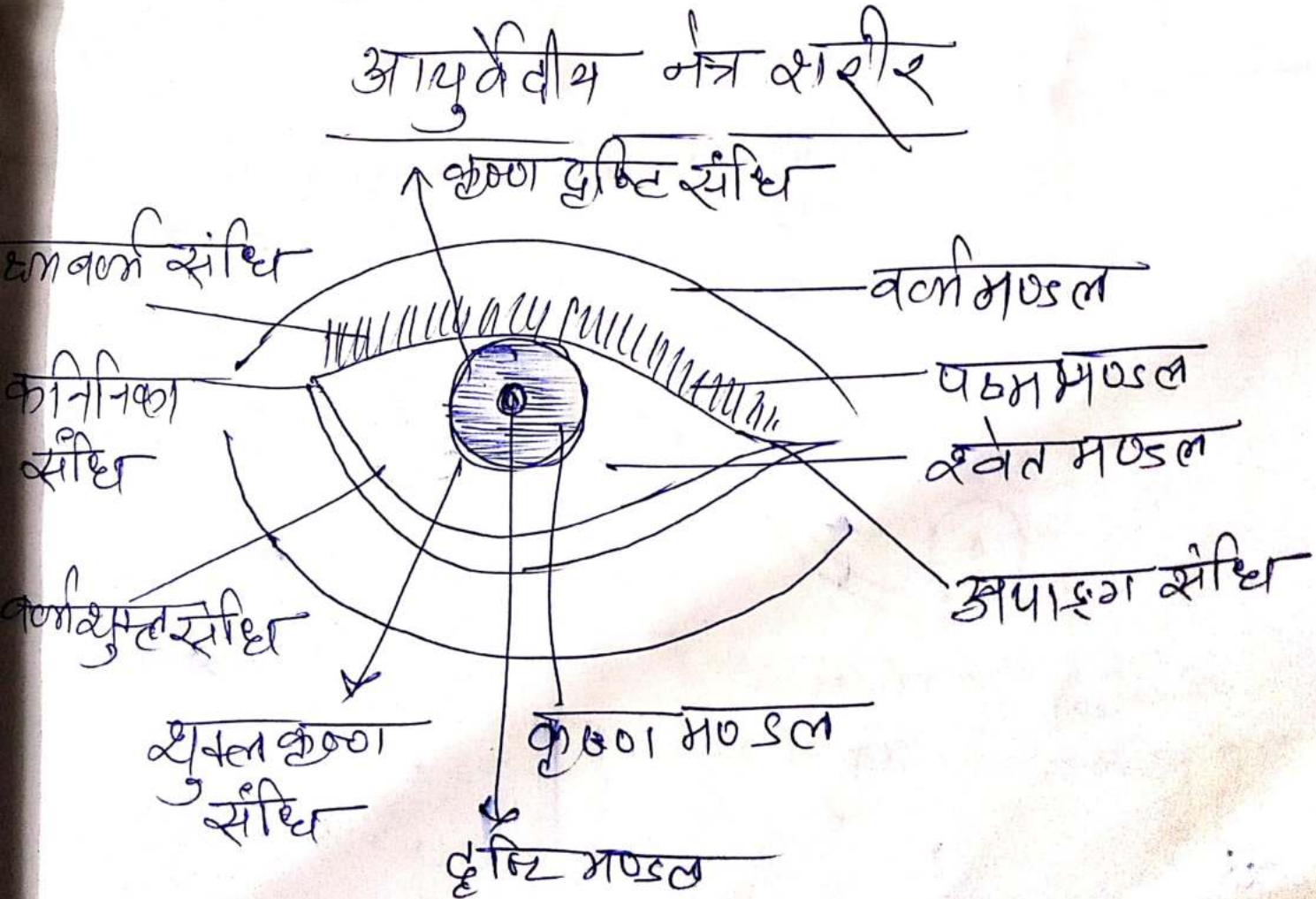

Scanned with OKEN Scanner

नेत्र संधि

नेत्र संधि is the junctional area of नेत्रमण्डल

They are 06 in Number

- पक्ष्म वर्त्मगत संधि —— (1)
- वर्त्म शुक्ल गत संधि —— (2)
- शुक्ल कृष्ण गत संधि —— (3)
- कृष्ण दृष्टि गत संधि —— (४)
- कनीनिक संधि —— (५)
- अपाङ्ग संधि —— (६).

(1) पक्ष्म वर्त्मगत संधि (Lid Margin)

This junction B/w पक्ष्म and वर्त्म मण्डल

eyelashes and eyelids.

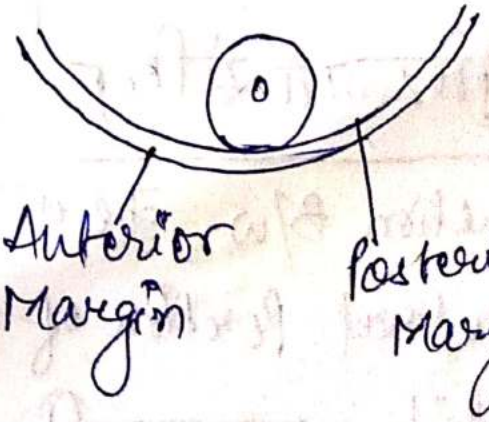

② वर्त्म शुक्ल गत संधि (Fornix)

- junction B/w वर्त्म and शुक्ल मण्डल
  - Bulbar conjuctiva and lids.

③ शुक्ल कृष्ण गत संधि (Limbus)

- junction B/w शुक्ल and कृष्ण मण्डल
- cornea and sclera.

  called as sclerocorneal junction

④ कृष्ण दृष्टि गत संधि

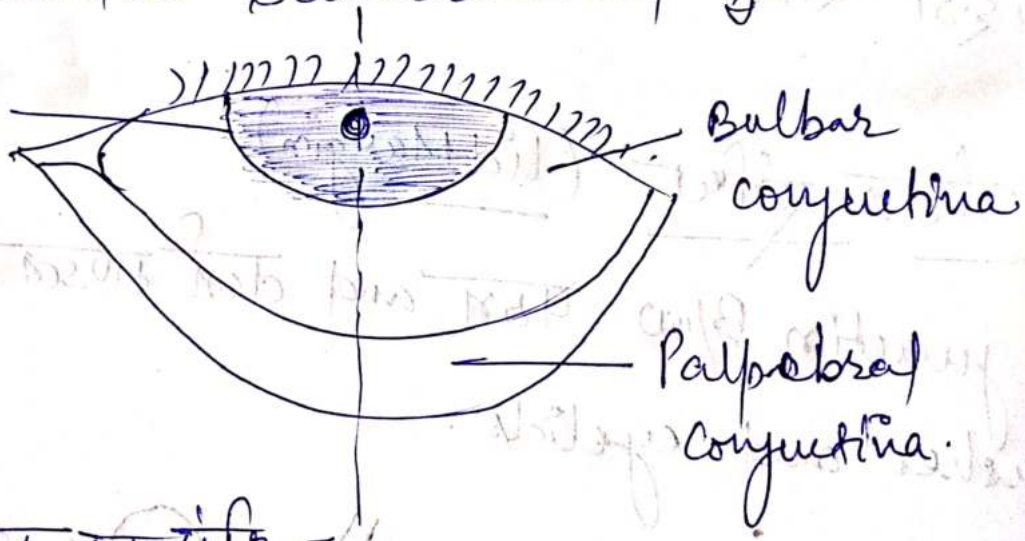

- junction B/w कृष्ण and दृष्टि मण्डल
- central portion of eye
- Pupil — ①
- Pupillary Margin — ②
- pupillary zone — ③
- Root — ④

Cilliary zone — ⑤.

Scanned with OKEN Scanner

कनीनिका सन्धि – Medial canthus

- joining place of upper and lower lids
  Near the Nose.
- called as Medial canthus.

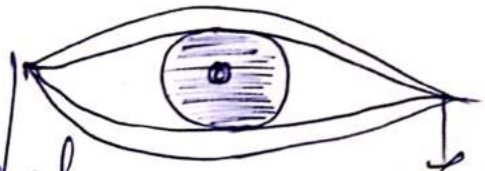

अपाङ्ग सन्धि –
Outer canthus.

- joining place of upper and lower lid
  in the lateral end.
- It is one of the मर्म Point.

Scanned with OKEN Scanner

नेत्र क्रिया शारीर

- नेत्र क्रिया शारीर directly co-relates with the sense of vision.

- 03 stages.
- इन्द्रिया अर्थ सन्निकर्ष — ①
- रूप अलोचनम — ②
- चक्षु बुद्धी — ③.

① इन्द्रिया अर्थ सन्निकर्ष

- called as प्रत्यक्ष — ①
- travels in the media of light — ②
- towards अक्षि
- object towards eyes — ①
  ↓
  Refraction inside the eye — ②
  ↓
  Convergence into दृष्टि — ③.

(2) – रूप आलोचनम्

– Stage of Receiving – (1)
– Done with पित्त दोष
(आलोचक पित्त) – (2)
– Situated in अन्तस्तक – (3)
– ज्ञान प्राप्ति – (4)
– Bringing into मनस – (5)
– प्राप्ति ज्ञान, वैषयिक ज्ञान – (6)
– वर्ण, रूप, स्वर्ण, स्वर, संस्थान – (7)

(3) चक्षु बुद्धि –

– Situated in eyeball – (1)
– Provides visual Perception – (2)
– Visual images – (3)
– Recalls and Recollects – (4)
– ज्ञान प्राप्ति – (5)

Theory of पञ्च पञ्चक By चरक

05 factors

- इन्द्रिया — ① — चक्षु
- इन्द्रिया द्रव्य — ② — ज्योति
- इन्द्रिया अधिष्ठान — ③ — अक्षि
- इन्द्रिय बुद्धि — ④ — रूप
- इन्द्रिय अर्थ — ⑤. — चक्षु बुद्धि

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Classification of eye दृष्टि विज्ञान

Diseases can be classified on the Basis of :-

- रूप: → Symptomatology — ①
- वर्ण → colour changes — ②
- समुत्थान → onset of the diseases — ③
- स्थान → Part Involved — ④
- संस्थान → swellings — ⑤
- नामाधि → Nomenclature — ⑥

- classification of चरक संहिता — ①
- classification of सुश्रुत संहिता — ②
- classification on the Basis of Dominant Dosa (दोष) — ③
- on the Basis of Asraya — ④
- on the Basis of Prognosis — ⑧

Scanned with OKEN Scanner

1. Classification of चरक संहिता

- On the basis of दोष -
  - वातज — 1
  - पित्तज — 2
  - कफज — 3
  - सन्निपातज — 4.

- On the Basis of नेत्रभाग
  - वर्त्म स्तम्भ — 1
  - वर्त्म संकोच — 2
  - तिमिर — 3
  - अक्षि शूल — 4
  - व्युदास — 5
  - भ्रू व्युदास — 6.

classification of सुश्रुत

- Dominance of दोष — ①
- Parts of eye (नेत्र भाग) — ②
- Prognosis — ③
- surgical treatment — ④
- eye Injuries — ⑤

Dominant दोष –

वातज	10
पित्तज	10
कफज	13
सन्निपातज	25
रक्तज	16
बाह्य	02
	76.

On the Basis Parts –

- संधिगत — 09
- शुक्लगत — 11
- ~~[illegible]~~
- वर्त्मगत — 21
- सर्वगत — 17
- दृष्टिगत — 12
- बाह्य — 02
- 76.
- 54

On the Basis of Prognosis

- साध्य – 52
- याप्य – 07
- असाध्य – 17

76.

Modern classification

- Eye diseases are classified on the Basis of Anatomical structures.

- Diseases of conjunctiva — ①
- Diseases of cornea — ②
- Disease of sclera — ③
- Diseases of lens — ④
- Diseases of Retina — ⑤
- Diseases of vitreous — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

Diseases of conjunctiva
- Inflammations — (1)
- Degenerative conditions — (2)
- Symptomatic conditions — (3)
- cysts and tumors — (4)

Diseases of cornea
- Inflammation — (1)
- ulcerative — (2)
- dystrophias — (3)
- Ectatic — (4)
- vascularisation — (5)

Disease of sclera
- Inflammations — (1)
- Staphyloma — (2)

Diseases of lens
- Cataract — (1)
- Displacement — (2)

Scanned with OKEN Scanner

- Disease of Retina — Retinitis — ①
- Inflammation — ②
- Dystrophies — ③
- Tumors — ④
- periphlebitis Retinae — ⑤

- Lids diseases — Blepharitis — ①
- Hordeolum Internum — ②
- Ptosis — ③

- Lacrimal Apparatus — Sjogren's Syndrome — ①
- Watering eye — ②
- Dacryocystitis — ③
- Swelling — ④

- Orbit — orbital tumors — ①
- Inflammations — ②
- Graves's diseases — ③.

Scanned with OKEN Scanner

- सर्वेन्द्रिया नयनं प्रधानम्

A/c to चरक - सर्वस्या गात्रस्या सिरा प्रधानम्
- सर्वेन्द्रिया नयनं प्रधानम्
- षण्णाम् रसानां लवणम् प्रधानम्
- पावेत पानीयं उदकम् प्रधानम्

- Head is important among the body. — (1)
- eyes are important among all senses — (2)
- salt is important among all 6 tastes — (3)
- water is important among all liquids — (4).

Anatomical Aspects

A/c to Acharya (आचार्य) सुश्रुत -
- size and shape — (1)
- पञ्चमहाभूत vs eye (नयन) — (2)
- धातु vs eye — (3)
- मण्डल सन्धि — (4)

Scanned with OKEN Scanner

II Physiological Aspects

- वात – धारणा
  - स्मृति
  - उन्मेष
  - निमेष
- पित्त – Iris
  - Retina
  - cornea
  - lens
  - Rods and cones.
- कफ – Aqueous
  - Viterous Humour
  - संधि

• Pathological Aspects –

- वात – Redness.
- Osteogenesis – Bluish sclera.
- Vit A Def – Bitot spots.
- Syphilis – Pupil.
- Jaundice – yellowish Discoloration.

मूत्र परिक्षा — ①
मल परिक्षा — ②
Ano Rectal examination — ③
त्वक — ④
व्रण — ⑤.

निदान परिवर्जना — 1st line of treatment.
नेत्र क्रिया कल्प's.
surgical and Para surgical treatments.

औषध — अञ्जन
— कषाय
— घृत
— तैल
— वर्ति

Conclusion - ultimate goal is मोक्ष — attained by
— धर्म, अर्थ and काम

Scanned with OKEN Scanner

Types-

A/c to सुश्रुत - 05 क्रियाकल्प

- तर्पण — ① T
- पुटपाक — ② P
- सेक — ③ S
- आश्च्योतन — ④ A
- अञ्जन — ⑤ A

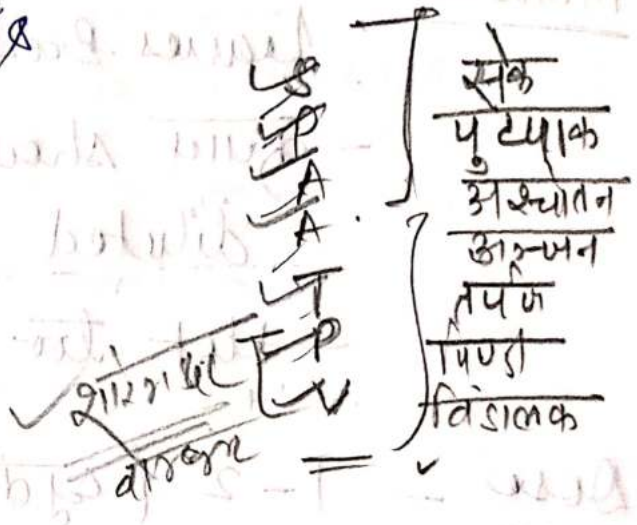

S / P / A / A / T / P / V — सेक, पुटपाक, आश्च्योतन, अञ्जन, तर्पण, पिण्डी, विडालक

शार्ङ्गधर / वाग्भट

A/c to शार्ङ्गधर and वाग्भट = 02 Procedure Added.

- पिण्डी — ① P
- विडालक — ② V

आश्च्योतन - Instillation of Medicated solution into conjunctival sac when the eye is completely open and Pt in supine position.

(Pricking pain)

- Indicated as a 1st line of treatment.
  - राग (congestion) — ①
  - दाह (Burning) — ②
  - अश्रुस्राव (excessive lacrimation) — ③
  - शोफ (Inflammation) — ④

Scanned with OKEN Scanner

Methods :- Decoctions (क्वाथ) prepared with the Leaves . Bark
- क्वाथ should neither concentrated nor diluted
- Not too hot or too cold.

Dose - 1-2 (बूंद मात्र)
10-12 drops.

Duration - 3 to 5 days.

धारण काल - 100 वाक मात्रा

② सेक - Pouring of thin stream Medicated Solution into closed eyes for a specific period of time.

- Doses - 200/400/600 वाक मात्रा.

Duration - 03-05 days.

③ पिण्डी – पिण्डी / कवलिका

- Mild sudation is applied over the eye By luke warm paste
- Made up of different Plant Parts.

Indications – Conjunctivitis — ①
- Glaucoma — ②
- Inflammatory condition of eye — ③

Drugs used – एरण्ड पत्र
- एरण्ड मूल
- आमल
- शिग्रु
- त्रिफला

विडालक – Paste of different drugs is applied over the closed eyelids leaving eye lashes.

Indications – Mild Inflammatory conditions.
- कफजनेत्र रोग
- अश्रुस्राव
- वेदना
- दाह
- कण्डु
- शोथ

Scanned with OKEN Scanner

- Lacrimal Apparatus
- Blepharitis.
- Lid Abscess
- trichiasis

A
C
P
V
T

- Drug used / द्रव्य - मञ्जिष्ठा
  - चन्दन
  - सारिव

⑤ तर्पण — concentric Boundary is formed around the orbit and Medicated घृत and oils to be filled for a specific Period of time.

- Drug used - घृत / Medicated घृत.
- Indications - variety of ocular disorder.
  - रूक्षता
  - अभिष्यन्द
  - ताम्रता

Average time - 20 minutes / day.

Quantity - 20ml for each eye.

3 to 5 days. can be Adusted.

Scanned with OKEN Scanner

(6) पुटपाक – Application Prepared out of Plants drugs, animal flesh, Mineral drugs and fats.

– The extract Retained over the eyes as तर्पण

पुटपाक < पिप्पल्यादि पुटपाक — (1)
कृष्णादि पुटपाक — (2).

P.A – Retinitis Pigmentosa
KP. – corneal opacity.

✓ अञ्जन – collyrium.

Application of drug in the form of Powder / paste into conjunctival fornices with an applicator.

– अञ्जन means which spreads.

अञ्जन – 03 types. – गुटिका — (1) — G
– रसक्रिया — (2) — R
– चूर्ण — (3) — C

– अञ्जन is the wide applications in Systemic diseases too.

Indications - when दोष become Manifested and localized in the eye.
- Acute Inflammation.

Drugs used - generally Metals, Minerals and herbs
- Antimony
- Lead.

Dose - हरेनु मात्र

चन्द्रोदयादि वर्ति अञ्जन - (Pterygium)
गुडुचि रसक्रिया अञ्जन
चन्द्रप्रभा वर्ति अञ्जन

- formulations of used in आश्च्योतन / सेक
- त्रिफला + लोध्रा + यष्टिमधु + मुस्त - Bacterial conjunctivitis
- हरिद्र + यष्टिमधु - Allergic conjunctivitis
- दुग्ध + हरिद्र + दारुहरिद्र + सैन्धव लवण - Dry eye
- त्रिफला चूर्ण - cataract.
- करञ्ज बीज + दुग्ध - Pterygium.

Basic Instruments

(नेत्र शस्त्र ज्ञान)

- यंत्र's are described in 06 groups -

- स्वास्तिक यंत्र = 24 — ①
- संदंश यंत्र — 02 — ②
- तल यंत्र — 02 — ③
- नाडी यंत्र — 20 — ④
- शलाका यंत्र — 28 — ⑤
- उप यंत्र — 25 — ⑥

• Detailed Description -

- Cataract Knife -

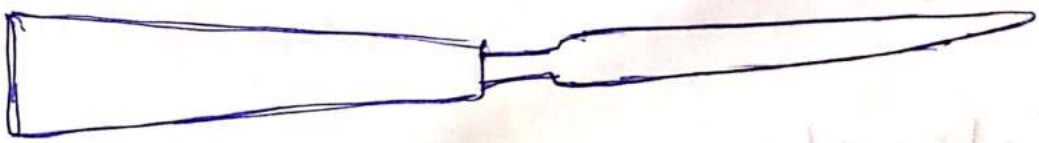

Cataract Knife

- cataract extraction — ①
- corneal section — ②.

② Capsulotomy knife –

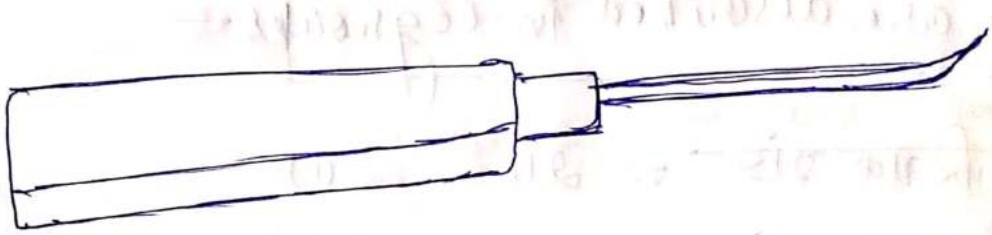

– Incision —— ①
– Iridectomy —— ②
– Needle operation —— ③

③ Fixation Forceps –

3×2 teeth with Lock.

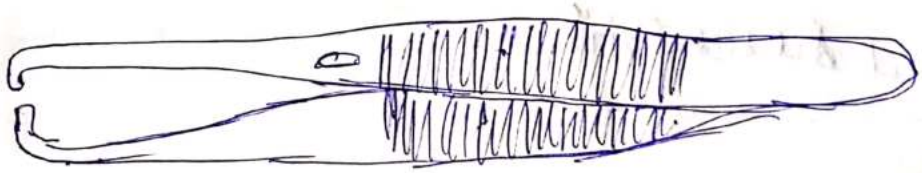

④ Rectus forceps –

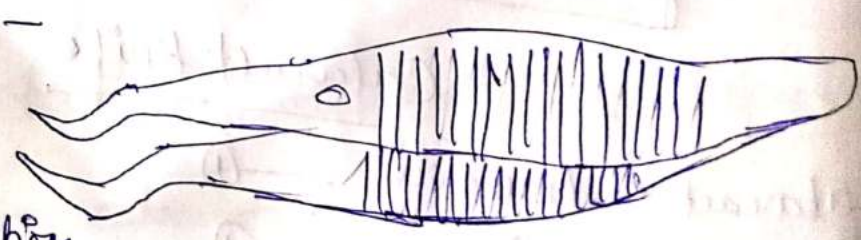

– cataract operation
– Glaucoma operation.

Scanned with OKEN Scanner

(5) cornea forceps -

- Holding cornea while Passing corneo-scleral sutures.

cornea forceps

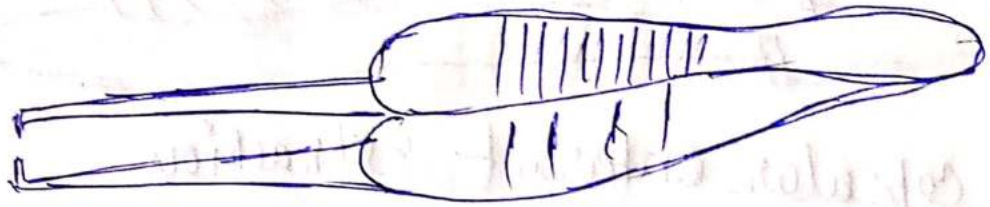

(6) Iris forceps -

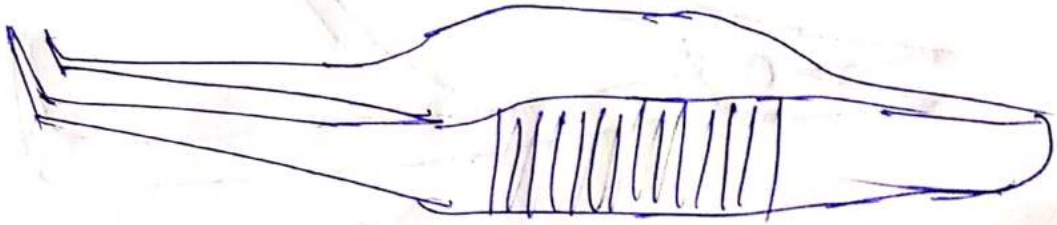

- cataract surgery — (1)
- Glaucoma surgery — (2)
- Iridectomy — (3)

Scanned with OKEN Scanner

⑦ Capsule Holding forceps

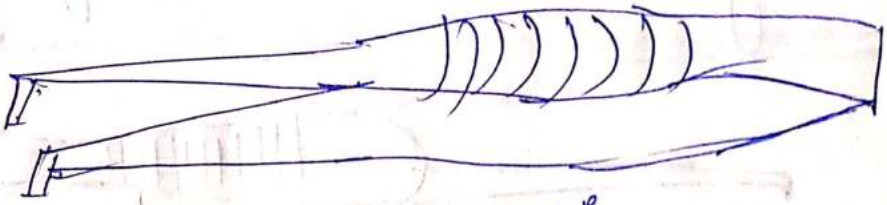

Capsular Cataract Extraction

⑧ Needle Holder _ fine

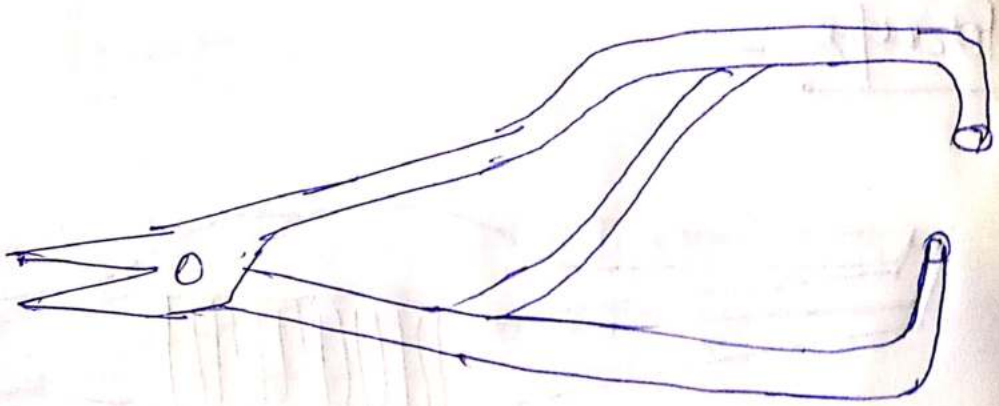

Holding fine Needle during eye surgery.

⑨

_ cut the suture threads

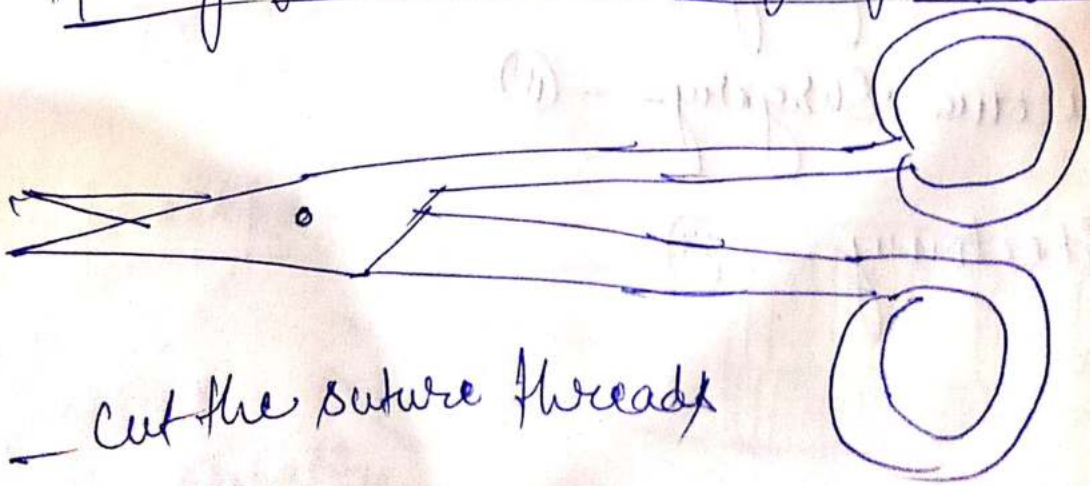

Scanned with OKEN Scanner

(16) Chalazion clamp -

Lens spatula -

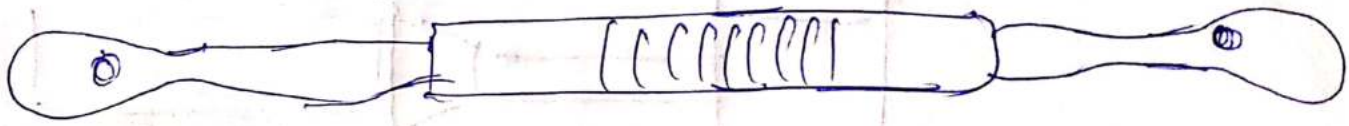

Lens spatula

Counter pressure

Cannula

- Injecting Air — ①
- Syringing — ②

Trephine -

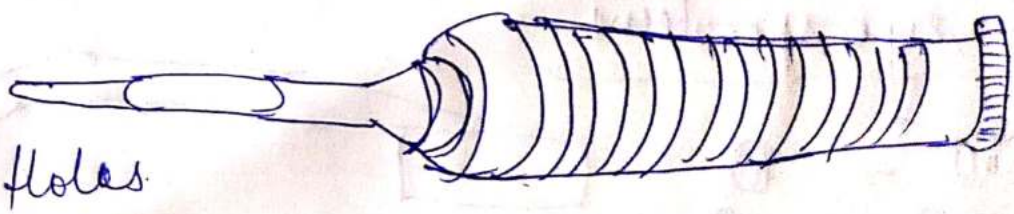

Making circular Holes

(13) Hammer –

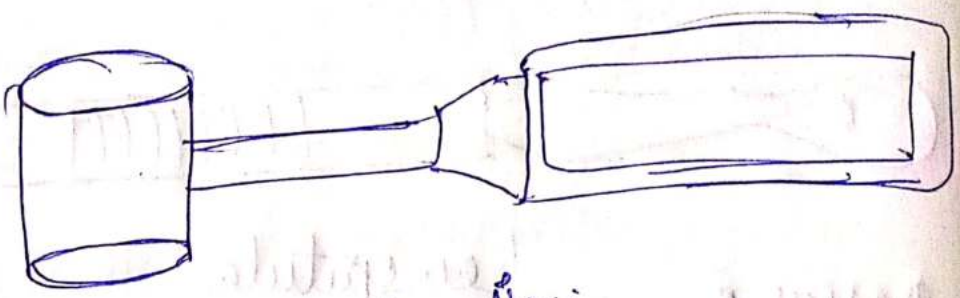

– cut bone during DCR operation

(14) Lid Retractor –

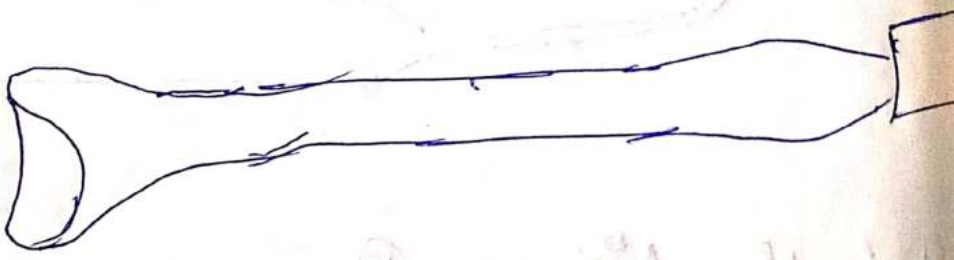

– Removal of corneoscleral stitches — (1)
– used to provide palpebral Aperture — (2)

(15) eye speculum –

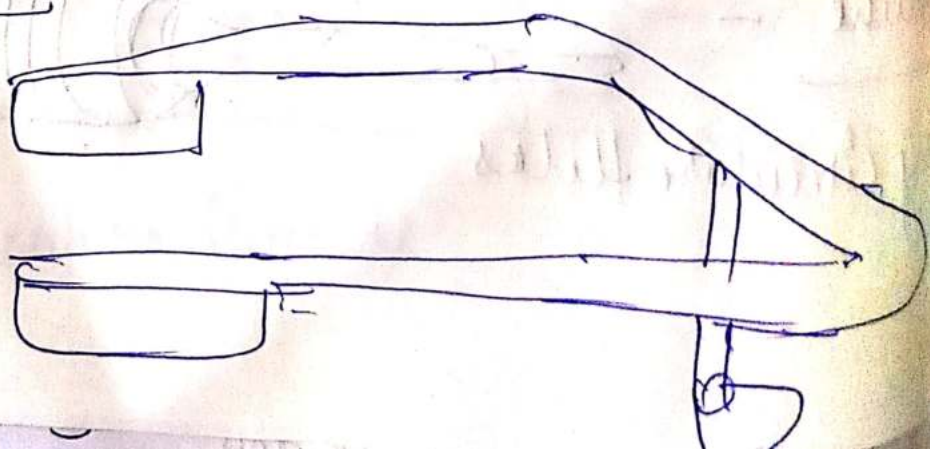

– Squint — (1)
– Pterygium — (2)
– Detachment — (3)

(16) Chalazion clamp -

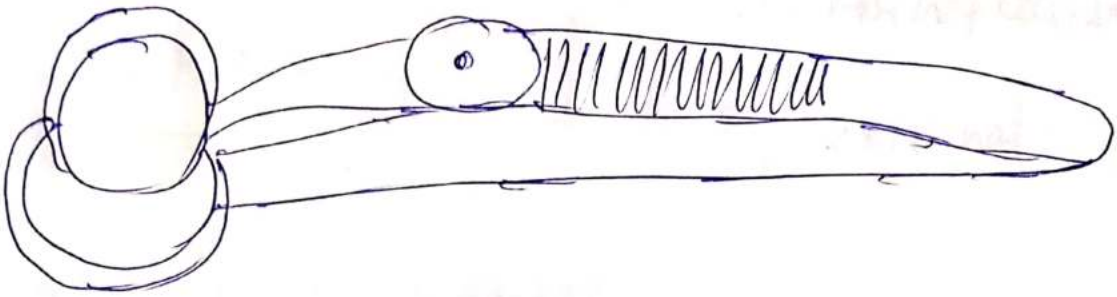

- Fix eyelid —— (1)
- Provides Hemostasis —— (2)

(17) Ptosis Clamp -

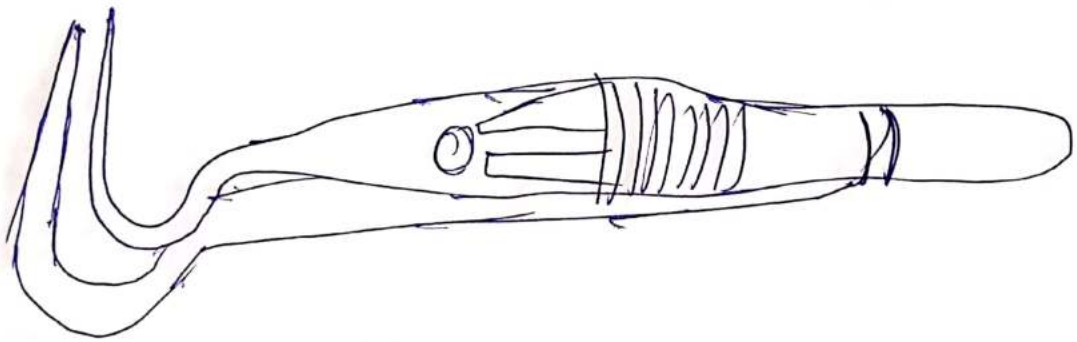

- Hold the Levator Muscle —— (1)
- Bulching of Muscles. —— (2)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

° नेत्र रोग नाम °

- Causative factors — < निज (Internal cause) / आगन्तुज (external causes)

- Also classified into 07 groups

- सप्तविधे व्याधी —

- आदिबल — ①
- जन्मबल — ②
- दोषबल — ③
- संघातबल — ④
- कालबल — ⑤
- दैवबल — ⑥
- स्वाभावबल — ⑦

< हेतु — ①
पूर्वरूप — ②
रूप — ③

Scanned with OKEN Scanner

(1) आदिबल प्रवृत्ता — आत्म कर्म — (1)
— असात्म्य — (2)
— काल — (3)
— आहार — विहार — (4)

(2) जन्म बल प्रवृत्ता — रसकृत — (1)
— दौहृदय अपचार — (2)
— Improper आहार — (3)

(3) दोष बल प्रवृत्ता — शरीर — (1)
— मनस — (2)
— आत्मा — (3)

(4) संघात बल प्रवृत्ता — शस्त्रकृता — (1)
— व्यालकृता — (2)

(5) काल बल प्रवृत्ता — व्यानकृता — (1)
— अव्यान कृता — (2)

⑥ दैवबला प्रवृत्ता - नेत्र अभिष्यन्द — ①

⑦ स्वाभाव बल प्रवृत्ता - कालकृता — ①
- अकालकृता — ②

A/c to भावप्रकाश -
- रजो धूम निषेवण — ①
- अतिशीघ्रयान — ②
- शिरो अभितापन — ③
- ऋतु विपर्यय — ④

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

नेत्र रोग classification

- on the basis of दोष — ①
- on the basis of नासमन — ②
- on the basis of अस्राव — ③
- on the basis of Prognosis — ④
- on the basis of Surgical treatment — ⑤
- on the basis of नेत्र -02 — ⑥

① on the basis of दोष

- वातज — ①
- पित्तज — ②
- कफज — ③
- सन्नि पातज — ④

on the basis of नासमन

- वर्त्म स्तम्भ — ①
- वर्त्म संकोच — ②
- तिमिर — ③
- अक्षि शूल — ④
- अक्षि व्युपक्ष — ⑤
- भ्रू व्युपक्ष — ⑥.

(3) On the basis of आश्रय (रोगस्थान)

— 06 groups —

- संधिगत → 09
- वर्त्मगत → 21
- शुक्लगत → 11
- कृष्णगत → 04
- सर्वगत → 17
- दृष्टिगत → 12
- बाह्य → 02

Total → 76.

(4) On the basis of Prognosis —

वातज — 10
- साध्य — 05 — (1)
- याप्य — 01 — (2)
- असाध्य — 04 — (3)

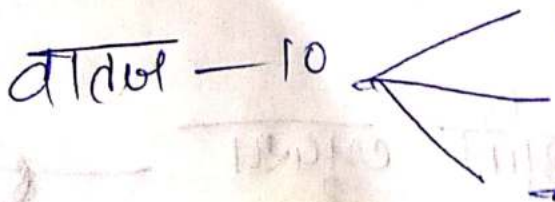

- पित्तज — 10
  - साध्य — 06. — (1)
  - याप्य — 02 — (2)
  - असाध्य — 02 — (3)

- कफज — 13
  - साध्य — 011 — (1)
  - याप्य — 01 — (2)
  - असाध्य — 01 — (3)

- सन्निपातज — 25
  - साध्य — 19 — (1)
  - याप्य — 02 — (2)
  - असाध्य — 06. — (3)

On surgical Treatment

- छेदन — 11
- लेखन — 07
- भेद्य — 05
- व्याध्या — 15
- असशस्त्रकृत — 12

- असाध्य — 15
- बाह्य — 02
- याप्य — 07

Total. 76

बाह्य 02

- अनिमित्तज — लिंगनाश — ①
- सनिमित्त — लिंगनाश — ②

- Modern classification

- Conjuctiva — ①
- Cornea — ②
- Sclera — ③
- Uveal tract — ④
- Lens — ⑤
- Vitreous — ⑥
- Retina — ⑦
- Eye — ⑧
- Neuro ophthalmology — ⑨
- Optics and Refraction — ⑩

Scanned with OKEN Scanner

शालाक्य तंत्र निरुक्ति परिचय इतिहास

परिभाषा – शालाक्यं नाम ऊर्ध्वजत्रुगतानां श्रवण नयन वदन घ्राणादि संश्रितानां व्याधीनां उपशमनार्थम् च ॥

(सु. सू /8/2)

- ऊर्ध्वांग चिकित्सा – eye – नयन — ①
  - ear – श्रवण — ②
  - Nose – वदन — ③

Scope of शालाक्य तंत्र

- Aggravated दोष – Produces Various Ailments –

- कण्ठ — ①
- तालु — ②
- रद (दन्त) — ③
- कर्ण — ④
- आस्य — ⑤
- शिर — ⑥
- ओष्ठ — ⑦
- रसना — ⑧
- दन्तमूल — ⑨
- नासा — ⑩
- लोचन — ⑪.

Scanned with OKEN Scanner

- A(c)to हरित संहिता —

- सिरो रोग — ①
- नेत्र रोग — ②
- कर्ण रोग — ③
- कण्ठ रोग — ④
- भ्रू रोग — ⑤
- मान्य रोग — ⑥

- A(c)to शालाक्य तंत्र (सुश्रुत संहिता) —

- चक्षु व्याधि — संधिगत — ① S
  - वर्त्मगत — ② V
  - शुक्लगत — ③ S
  - कृष्णगत — ④ K
  - दृष्टिगत — ⑤ D
  - मण्डलाक्ष — ⑥ M

- वातज चिकित्सा — ①
- पित्तज चिकित्सा — ②
- कफज चिकित्सा — ③
- रक्तज चिकित्सा — ④

- लेखन
- बृंहण
- लंघन

} कर्म

- क्रियाकल्प — ①
- व्याधि Management — ②
- कर्ण व्याधि Management — ③
- नास व्याधि Management — ④
- प्रतिश्याय Management — ⑤
- शिरोशूल Management — ⑥

Importance — चक्षु रक्षां
— सर्वकाल
— मनुष्य
— कर्तव्यो

जीवते
यावदित्यश्च — पुंसः
— व्यर्थो — मन्धाना
— लोका
— रात्रि
— दिवा...

• पर्याय – शालाक्य तंत्र

- उत्तमांग चिकित्सा — ①
- ऊर्ध्वांग चिकित्सा — ②
- शालाक्य विज्ञान — ③
- शालाक्य चिकित्सा — ④
- चक्षु वैद्य — ⑤

Scanned with OKEN Scanner

शालाक्य तंत्र इतिहास

- our वेद's Namely - ऋग्वेद — ①
  - सामवेद — ②
  - यजुर्वेद — ③
  - अथर्व वेद — ④

- origin of आयुर्वेद Roughly traces back to 5,000 years old.

- आयुर्वेद deals with -
  - ailment's — ①
  - Fertility — ②
  - sanity — ③
  - स्वास्थ्य — ④

- Real time text Author's -
  - चरक (आचार्य) — ①
  - आचार्य सुश्रुत — ②
  - आचार्य वाग्भट — ③

Scanned with OKEN Scanner

Schools of आयुर्वेद

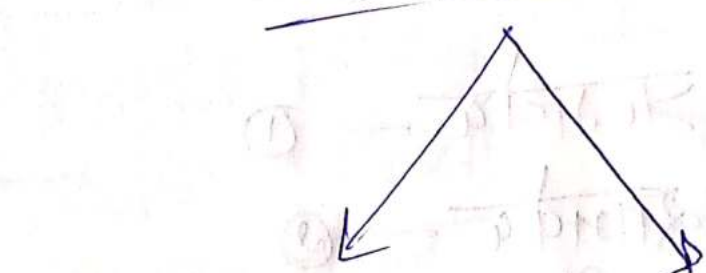

- आचार्य आत्रेय (School of Physician)
- आचार्य धन्वन्तरि (School of surgeons)

• **Atreo-चरक** –

– The successful Head transplantation of is documented both in चरक.

– **आत्रेय उपनिषद** –

– Transplantation of eye — ①

– eyeball was carefully extracted from orbit — ②

Scanned with OKEN Scanner

- अथर्ववेद Has Named some व्याधि of सिर —

- सिरशक्ति —— ①
- सिरसमाप्य —— ②
- कर्ण शूलः —— ③
- विलोहित —— ④

- ऋग्वेद and अथर्ववेद Have suggested Herbs to cure toothAche.

- नील —— ①
- न्यग्रोध —— ②
- उपावाक कुटज —— ③
- शिग्रक —— ④
- जिरक —— ⑤

चक्षुषोपनिषद — ॐ चक्षुः चक्षुः ।
तेजः स्थिरो भव ।
मां पाहि पाहि ।
त्वरितं चक्षु रोगान् शमय शमय ।
मम जातरूपं तेजो दर्शय दर्शय ॥

- Cured blindness by अश्विनी कुमार

- त्रिजटा — 1
- प्राविर्जा — 2
- कक्षीवित — 3
- कुन्वा — 4
- कवी पुत्र — 5

• नेत्र चक्षु स्वस्थ — ocular therapeutics

- Local therapeutics are as follows :-

- सेचन — 1
- प्रतिसारण — 2
- अवचूर्णन — 3
- संस्वेदन — 4
- तर्पण — 5
- अक्षिधोतन — 6
- परिषेक — 7
- पुटपाक — 8
- पिण्डी — 9
- आलेप — 10
- उपनाह — 11
- अंजन — 12
- लेपन — 13
- विडालक — 14
- अभ्यंग — 15

अष्ट शस्त्र चिकित्सा

Surgical Procedures

- All surgical procedures are broadly classified into 08 categories :-

तच्च शस्त्रकर्माष्टविधं –

- छेदन — ① — छेद्य
- भेदन — ② — भेद्य
- लेखन — ③ — लेख्य
- व्यधन — ④ — वेध्य
- एषण — ⑤ — एष्य
- आहरण — ⑥ — आहार्य
- विस्रावण — ⑦ — विस्राव्यं
- सीवन — ⑧ — सीव्यम् इति । सु.सू (5/5)

- छेदन – Excision — ①
- भेदन – Incision — ②
- लेखन – Scrapping — ③
- वेधन – Puncturing — ④
- एषण – Probing — ⑤
- आहरण – Extraction — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

- विस्रावण — Draining — (7)
- सीवण — Suturing — (8)

- A/c to अष्टांग हृदय —

- प्रच्छान — Pricking — (1)
- मन्थन — Drilling — (2)
- ग्रहण — catching — (3)
- दहन — Burning — (4).

- त्रिविध कर्म — पूर्वकर्म — (1)
  - प्रधानकर्म — (2)
  - पश्चात कर्म — (3).

(1) लेखन कर्म - (Scrapping)

- पूर्वकर्म - Preparation of Patient — (1)
  - Position of surgery — (2)

- प्रधान कर्म — कुश्ती का — (1) कर्ती
  - शर्करा वर्ण — (2) शर
  - उत्सङ्गिनी — (3) तिर

- पश्चात कर्म – प्रतिसारण —— ①
– अवपीड़ा नस्य —— ②
– नस्य कर्म —— ③
– धूमपान —— ④

- Indications – उत्सङ्गिनी —— ①
– कठिन वर्त्म —— ②
– कर्दम वर्त्म —— ③
– श्याव वर्त्म —— ④
– बद्ध वर्त्म —— ⑤
– क्लिष्ट वर्त्म —— ⑥
– पोथकि वर्त्म —— ⑦
– कुम्भीका —— ⑧
– वर्त्म शर्करा —— ⑨.

भेदन कर्म –

- पूर्वकर्म – स्नेहन
– स्वेदन + tender leaves

- प्रधान कर्म – Incision → followed by पिप्पली, मधु and सैन्धव
– Later लेखन कर्म done
– अञ्जनामिका, क्रिमिग्रन्थी

• पश्चात कर्म - व्रण रोपण (Wound Healing)

• Indications - उपनाह — ①
- लगण — ②
- बिस वर्त्म — ③
- कुम्भीका — ④
- अञ्जननामिका — ⑤

③ छेदन कर्म -

Indications - वर्त्म — ①
- शुष्क — ②
- सिर पिडका — ③
- सिरजाल — ④
- पर्वणिका — ⑤
- अर्म — ⑥.

• पूर्वकर्म - स्नेहन

• पश्चात कर्म - प्रतिसारण, रक्तमोक्षण

• प्रधानकर्म - Excision by मण्डलाग्र (पिडि...
- सिरजाल Removed by मण्डलाग्र

पक्ष्मकोप छेदन

(Surgical treatment of पक्ष्मकोप)

पूर्वकर्म — स्नेहन —— ①
— Properposition —— ②

प्रधान कर्म — eyelid excised obliquely —— ①
— Stitch the margins after excision —— ②

पश्चात कर्म — treated with घृत + मधु —— ①
— treated with कवलन —— ②.

• Surgical treatment of श्लेष्म लिंगनाश

पूर्वकर्म — ~~स्नेहन~~ —— ①
— स्वेदन —— ②

प्रधानकर्म — शलाका Instrument
— open the eye
— Puncture the eyeball properly

पश्चात कर्म — शलाका Removal
— घृत + Bandaged
— स्नेहपान

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Parasurgical Procedures

- रक्तमोक्षण — (1)
- अग्निकर्म — (2)
- क्षारकर्म — (3)

रक्तमोक्षण — रक्तमोक्षण is a Important Procedure in शल्य तंत्र

- It Prevents रक्त रोग's — (1)
- Swollen glands — (2)
- swelling (शोथ) — (3)
- रक्त व्याधि's — (4)

- सिर व्याध and जलौकवचारण are useful in eye diseases.

Indications —
- पूयालस — (1)
- अर्म — (2)
- सव्रण शुक्ल — (3)
- पित्तज तिमिर — (4)
- कफज तिमिर — (5)
- अभिष्यन्द — (6)

Scanned with OKEN Scanner

• Contra Indications –

– Very young यौवन — ①
– Old वृद्ध — ②
– exhausted श्रमः — ③
– तीव्र ज्वर — ④
– convulsions — ⑤
– शोथ — ⑥
– Anaemia — ⑦
– Pregnancy गर्भपात — ⑧

• Best time – Rainy season — cloudy day –
– summer — cool day –
– winter — Noon. –

• Vein selection – नेत्र व्याधि – Frontal Area

Best site for सिराव्यध [– outer canthus.
– Inner canthus

• Procedure – open veins in ग्रीवा and सिर — ①
– pt puts fists on Neck — ②
– Assistant Puts बन्धन Round the Neck — ③
– Veins stand out — ④

• In घृतालस – सिरमोक्षण — ①
– अर्म – सिरा विस्रावण — ②
– सव्रण शुक्ल – सर्पिपान — ①
– सिरमोक्षण — ②
– जलौकावचारण — ③
– पित्तज तिमिर – सिरव्याध — ①
– कफज तिमिर – सिरव्याध — ②
– वातज अभिष्यन्द – सिरमोक्षण — ①
– पित्त अभिष्यन्द – विरेचन and सिरव्याध — ①
– कफज अभिष्यन्द – विरेचन and सिरव्याध — ②
– रक्तज अभिष्यन्द – सिरव्याध and रक्तमोक्षण

Scanned with OKEN Scanner

अग्नि कर्म

- अग्निकर्म directly co-relates with the दग्धाः
- व्याधि which is treated by अग्निकर्म

- अग्निकर्म —
  - त्वक् दग्ध — ①
  - मांस दग्ध — ②
  - सिरा स्नायु संधि अस्थि दग्ध — ③

- Indications –
  - वर्त्मगत रोग — ①
  - संधिगत रोग — ②
  - सर्वगत रोग — ③

- वर्त्मगत रोग – लगण — ①
  - अर्बुद — ②
  - पक्ष्मकोप — ③

- संधिगत रोग – पूयालस — ①
  - अलजी — ②.

- सवंगत रोग's — अग्निमन्थ — (1)
  — अग्निमन्था — (2)

- Instruments — जाम्बवौष्ठ
  — सूची (Needle)
  — शलाका

- Patterns — Circular — (1)
  — dotted. — (2)
  — straight line — (3)
  — semi lunar — (4)
  — 04 tailed Marked — (5)
  — 08 tailed Marked — (6).

- काल — 15 to 20 minutes
  A/c to Pt. condition or Pt व्याधि
  — 10 to 15 days minimum.

क्षारकर्म

- क्षारकर्म is a Important Para-surgical Proc
- Factors -
  - excision — ①
  - scraping — ②
  - सीवन — ③
  - लेपन — ④
  - प्रोंछन — ⑤

- नेत्र व्याधि's — लगण — ①
  - अर्शो वर्त्म — ②
  - शुष्क वर्त्म / अर्शस — ③
  - वर्त्म अर्बुद — ④
  - पक्ष्मकोप — ⑤
  - उपपक्ष्म माल — ⑥

- क्षारकर्म Indications -
  - लगण — यवक्षार
  - — गोरचना
  - पक्ष्मकोप / उपपक्ष्म माल > गुर्जं + ...
  - अर्शो वर्त्म / शुष्क अर्शस / वर्त्म अर्बुद > विभितकी क्षार + मधु

Diagnostic and therapeutic Pharmacological Agents

Therapeutic Pharmacological Agents is directly co-relates with the chemical substances. in the form of Medicines.

- Basic of Methods are —

- Topical Instillation — ①
- Peri-ocular Injections — ②
- Intra-ocular Injections — ③
- Systemic Administration — ④

① Topical Instillation — eye drops — ①
- Eye ointment — ②
- eye gels — ③
- Occusets — ④
- soft contact lens — ⑤

Scanned with OKEN Scanner

(2) Peri ocular Injections -

- Sub conjunctival Injections — (1)
- Sub-tenon Injections — (2)
- Retro bulbar Injections — (3)
- Peri bul bar Injections — (4)
- Intra - ocular Injections — (5)

(3) Intra-Ocular Injections -

- Mainly in endopthalmitis

(4) Systemic Administration -

- oral Intake — (1)
- Intra Muscular — (2)
- Intra venous Injections — (3)

Scanned with OKEN Scanner

- Muscular control —
  - Circular muscles — ①
  - Radial muscles — ②

- Nervous system —
  - Sympathetic — ①
  - Para-Sympathetic — ②

- Sympathetic — contraction of Radial muscles. — ①
- parasympathetic — contraction of circular Muscles — ②

- Other Basic Agents —

- Mydriatic — ①
- Cycloplegics — ②
- Miotics — ③
- Mimetic drugs. — ④
- Adrenergic Blockers — ⑤
- carbonic Anhydrase Inhibitors — ⑥
- Hyperosmotic Agents — ⑦
- chemotherapy — ⑧
- Antibiotics — ⑨
- Antiviral — ⑩
- Antifungal drugs — ⑪

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Sterilization

- Sterilization is Making a substances free from all Micro-organisms.
- Both Vegetative and sporing states.

Factors

- Disinfections — ①
- Antisepsis — ②
- Germicides — ③
- Bacterial Agents — ④
- 1) Cleaning — ⑤
- Decontamination — ⑥

Methods of Stetlization –

Sterlization

- Physical Methods
- Chemical Methods

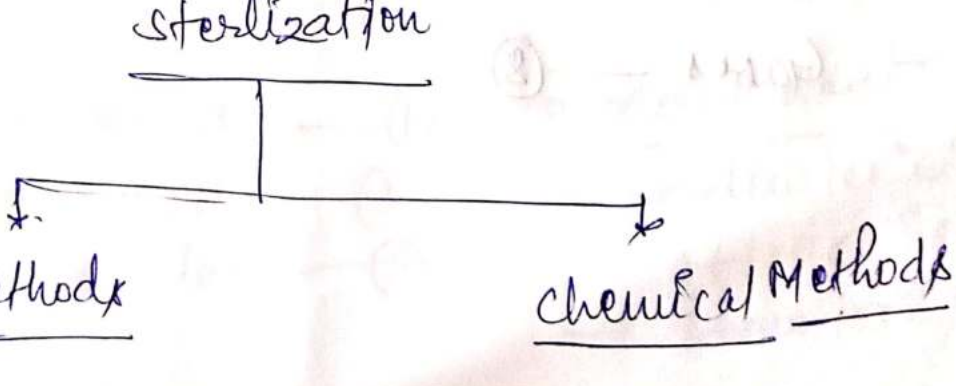

- Physical Agents —

— sunlight —— ①
— Drying —— ②
— Heat —— ③
— Filtration —— ④
— Radiation —— ⑤
— Ultrasonic —— ⑥

- Chemical Agents

① Alcohol —— ①
— Isopropyl —— ②
— Aldehydes —— ③
— Formaldehyde —— ④
— Halogens —— ⑤
— Phenols —— ⑥
— Metallic salts —— ⑦
— Gases —— ⑧

① Sunlight -

- Action Primary due to UV Rays.
- Bacteria in water are Readily destroyed By sunlight.

② Drying -

- Moisture —— ①
- Drying —— ②
- Spores —— ③

③ Heat -

- Initial Method of sterilization —— ①
- Most Reliable Method of sterilization —— ②

- Heat < Dry Heat —— ①; Moist Heat —— ②.

- Dry Heat
  - Flaming —— ①
  - Forceps —— ②
  - spatulas —— ③.

- Moist Heat
  - Below 100°C Temp.
  - At 100°C Temp
  - Above 100°C Temp

Scanned with OKEN Scanner

- Steam sterilizer –
  - Laboratory Autoclaves — ①
  - Dressing sterilizers — ②
  - Instrument sterilizers — ③
  - Rapid cooling sterilizers — ④

- Filtration –
  - candle filters — ①
  - Asbestos filters — ②
  - Sintered glass filters — ③
  - Membrane filters — ④

- Radiation –
  - Non-ionising Radiation — ①
  - Ionising Radiation — ②
  - efficacy of Radiation — ③

Scanned with OKEN Scanner

आयुर्वेद निर्जंतुकरण

- A process to Remove all Viable forms of Microbial life
- Including Bacterial Spores — (1)
- Sterility Assurance Level — (2)

- Sterilization — Physical Methods are used — (1)
- Disinfection — Chemical Methods are used — (2)

- आयुर्वेद trees used for sterilization.

- निम्ब — (Azadirachta Indica) — (1)
- गुग्गुलु — (Commiphora Mukul) — (2)
- सर्षप — (Brassica seeds) — (3)
- Ela — (Cardamum) — (4).

Scanned with OKEN Scanner

◦ Asepsis –

– Asepsis means Prevention of Infection usually by Inhibiting the growth of Bacteria In wounds

– Done by Antiseptics —— ①
– Chemicals —— ②
– Exclusion of Bacteria —— ③

– Examples of sepsis –

– disposable sterile supplies —— ①
– Syringes —— ②
– Needles —— ③
– Surgical gloves —— ④

– 03 Levels of Asepsis –

– Hand washings —— ①
– disinfections —— ②
– sterilization —— ③

Scanned with OKEN Scanner

संधिगत रोग's

संधिगत रोग's Numbers –

- पूयालस — (1)
- उपनाह — (2)
- पित्तास्राव — (3)
- कफस्राव — (4)
- रक्तस्राव — (5)
- पूयास्राव — (6)
- पर्वणी — (7)
- अलजी — (8)
- कृमि ग्रन्थी — (9)

Total 09 in Numbers. (संधिगत रोग's)

श्लोक – पूयालस सोपनाहः स्रावा पर्वणि अलजी
कृमिग्रन्थि विज्ञेया रोगाः संधिगत नव ॥
(सु.उ. 2/3)

diagram - Dacryocystitis -

Scanned with OKEN Scanner

पूयालस (Acute Dacryocystitis)

- पूयालस directly co-relates with the Acute Dacryocystitis which is in Accordance with the swelling type व्याधि

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- व्याधि नाम — पूयालस —— ①
  — Acute dacryocystitis —— ②

- दोष नाम — त्रिदोष type —— ①
  — वात दोष —— ②
  — पित्त दोष —— ③
  — कफ दोष —— ④

- चिकित्सा सूत्र - वेधन कर्म

- अधिष्ठान — कनीनक संधि

- आधुनिक पर्याय — Acute Dacryocystitis.

Scanned with OKEN Scanner

श्लोक - पक्वः शोफ सन्धिजः संस्रवेद्यः।
सान्द्र पूयं पूति पूयालसः सः॥
(सु.उ २/...)

- Factors -

- पक्वः —— ① (suppurated)
- शोफ (swelling) —— ②
- संधि —— ③ (कनिनिका संधि)
- संस्रवेद्य —— ④ (Heavy discharge)
- सान्द्र —— ⑤ (Thick)
- पूय —— ⑥ (foul)
- पूति —— ⑦ (smelling)

- Swelling types

- अश्ममयी —— ①
- संमरम्भा —— ②
- सूक्ष्म व्रण —— ③
- पूयास्रावी —— ④

सवेदन —— ⑤

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा -

- रक्तमोक्षण (Blood letting) — ①
- उपनाहन (Bandaging) — ②
- क्रियाकल्प (therapeutics) — ③
- पाक घाती (wounds). — ④
- सिर व्याध — ⑤
- जलौकावचारण — ⑥
- उपनाह (Bandage) — ⑦

- आर्द्रक स्वरस
- सैन्धव लवण
- कसीस

→ अंजन वर्ती

Diagram -

Scanned with OKEN Scanner

उपनाह (Lacrimal cyst)

Def - उपनाह is directly co-relates with the Lacrimal cyst in accordance with the Nodular swelling type.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors :-

- व्याधिनाम — ①
- दोष — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- आधुनिक पर्याय — ⑤
- चिकित्सा — ⑥.

① व्याधिनाम — उपनाह — ①
— Lacrimal cyst — ②.

Scanned with OKEN Scanner

- दोष - कफ दोष Predominant

- चिकित्सा सूत्र - भेदन कर्म

- अधिष्ठान - कनीनिक संधि

- आधुनिक पर्याय - Lacrimal cyst

- श्लोक - ग्रन्थिन अल्पो दृष्टि सन्धाव पा
कण्डूप्रायो नीरुजस्तू उपनाह

- ग्रन्थि — ①
- अल्पो — ②
- दृष्टि — ③
- सन्धाव — ④
- पाक — ⑤
- कण्डूप्रायो — ⑥
- निरुजः — ⑦

Scanned with OKEN Scanner

- A painless Nodular swelling in which कफ वात Pre dominant and directly co-relates with the कर्णिक संधि
- Producing — Itching sensation without Pain.

चिकित्सा
- स्वेदन — (1)
- स्वेदन — (2)
- शोधन कर्म — (3)
- प्रतिसारण — (4)
- लेखन — (5)
- Bandaging — (6)
- आश्च्योतन — (7).

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

स्राव रोग (Chronic dacryocystitis)

- स्राव रोग directly co-rrelates with the chronic dacryocystitis in accordance with the suppurated swelling and Pus formation.

- Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

- Factors –
  - व्याख्यान —— ①
  - दोष —— ②
  - चिकित्सा सूत्र —— ③
  - अधिष्ठान —— ④
  - आधुनिक पर्याय —— ⑤
  - Types —— ⑥

- Types – स्राव रोग –
  - पित्त स्राव —— ①
  - कफ स्राव —— ②
  - रक्त स्राव —— ③
  - पूय स्राव —— ④

Scanned with OKEN Scanner

① • पित्त स्राव
- दोष - पित्त दोष Predominant — ①
• चिकित्सा सूत्र - असाध्य — ①
• अधिष्ठान - कनीनिका संधि — ①
• आधुनिक पर्याय - Chronic Dacryocystitis.

- पीत मांस — ①
- नीलमुर्ण — ②
- जलौम — ③.

② • कफ स्राव -
- दोष - कफ दोष Predominant
- चिकित्सा सूत्र - असाध्य व्याधि
- अधिष्ठान - कनीनिका संधि
- आधुनिक पर्याय - Chronic Dacryocystitis

- श्वेत
- पिच्छ
- स्तो
- नीका

रक्तस्राव -

- दोष - रक्त (Blood)
- चिकित्सा सूत्र - असाध्य व्याधि
- अधिष्ठान - कनीनिक संधि
- आधुनिक पर्याय - Chronic Dacryocystitis

- शोणित ——— ①
- रक्तस्राव ——— ②
- उष्ण ——— ③
- न अल्प - Heavily ——— ④
- सरंत्र - Flow ——— ⑤

पूयस्राव

- दोष - त्रिदोष
  - वातदोष ——— ①
  - कफदोष ——— ②
  - पित्तदोष ——— ③

Scanned with OKEN Scanner

- चिकित्सा सूत्र — असाध्य व्याधि
- अधिष्ठान — कनीनिका संधि
- आधुनिक पर्याय — Chronic Dacryocystitis.

— पाकः — ①
— सन्धौ — ②
— संस्रावेद्य — ③
— पूयं — ④
— पूयास्रावो — ⑤
— नैकरूपः — ⑥
— प्रदिष्टः ॥ — ⑦.

Scanned with OKEN Scanner

पर्वणी (Phlyctenular conjunctivitis)

Def – पर्वणी is directly co-relates with the phlyctenular conjunctivitis in accordance with the Round swelling type

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधि नाम — ①
- दोष — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- आधुनिक पर्याय — ⑤

① व्याधि नाम – पर्वणी — ①
– Conjunctivitis — ②

② दोष – रक्त दोष

③ चिकित्सा सूत्र - छेदन कर्म

④ अधिष्ठान - शुक्ल कृष्ण गत संधि

⑤ आधुनिक पर्याय - Phlyctenular Conjunctivitis.

श्लोक - ताम्रा —— ①
- तन्वी —— ②
- दाह —— ③
- शूलो —— ④
- प्रपन्ना —— ⑤
- रक्त —— ⑥
- पर्वणी —— ⑦
- वृत्त —— ⑧
- शोक —— ⑨

A Small Round Swelling is called पर्वणी
- coppery Brown
- Burning and
- Red coloured
- Associated with शुक्लगत संधि and कृष्णगत

चिकित्सा - स्वेदन
- छेदन
- प्रतिसारण
- लेखन

अलजी (conjunctivitis)

- अलजी directly co-relates with the Phlyctenular conjunctivitis. In accordance with the Deep swelling.

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors -

- व्याधिनाम ——— ①
- चिकित्सा सूत्र ——— ②
- दोष ——— ③
- अधिष्ठान ——— ④
- आधुनिक पर्याय ——— ⑤

① व्याधिनाम - अलजी ——— ①
  - conjunctivitis ——— ②

② दोष - त्रिदोष
  - वात दोष ——— ①
  - पित्त दोष ——— ②
  - कफ दोष ——— ③.

Scanned with OKEN Scanner

- चिकित्सा सूत्र — असाध्य व्याधि

- अधिष्ठान — शुक्लगत संधि — ①
  — कृष्णगत संधि — ②

- आधुनिक पर्याय — Phlyctenular Conjunctivitis.

- अलजी — ①
  — तस्मिन् एव — ②
  — स्नायुपिता — ③
  — पूर्वलिंगे: — ④

Features — Severe — ①
— गौरवस्तन — ②
— Incurable — ③
— त्रिदोष — ④
— कनिनिका संधि — ⑤
— Deep — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

कृमिग्रन्थि (Pediculosis Palpebrarum)

कृमिग्रन्थि is directly co-relates with the Pediculosis Palpebrae and chronic Blepharitis)

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

factors -

- दोष —— ①
- व्याधिनाम —— ②
- चिकित्सा सूत्र —— ③
- अधिष्ठान —— ④
- आधुनिक पर्याय —— ⑤

① व्याधि नाम - कृमिग्रन्थि —— ①
- Blepharitis —— ②
- Pediculosis Palpebrae —— ③

② दोष - कफ दोष Predominant.

Scanned with OKEN Scanner

- चिकित्सासूत्र — भेदन कर्म
- अधिष्ठान — पक्ष्म वर्त्मगत संधि
- आधुनिक पर्याय — Pedicularis Palpebrae

— कृमिग्रन्थि is a swelling type, Nodule like structure
— junction B/w पक्ष्म and वर्त्मगत संधि

- Features — शोथ — ①
  — दाह — ②
  — कण्डू — ③
  — वेदना — ④
  — irritation — ⑤
  — itching — ⑥

चिकित्सा
— स्वेदन
— भेदन
— प्रतिसारण
— रसक्रिया

— कृमिग्रन्थि वर्त्म पक्ष्मणः
— कण्डू कुर्युः क्रिमयः संधिजाताः ॥

(सु.उ.)

कृष्णगत रोग :-

- A/c to सुश्रुत — 04 Major types of कृष्णगत रोग :

They are follows :-

- सव्रण शुक्ल — ①
- अव्रण शुक्र — ②
- अजकाजात — ③
- अक्षिपाकात्यय — ④

सव्रण शुक्ल — corneal ulcer
Ulcerative keratitis — ①

अव्रण शुक्ल — corneal opacity — ②

अजकाजात — Anterior staphyloma — ③

अक्षिपाकात्यय — Non-ulcerative keratitis. — ④

Scanned with OKEN Scanner

स्रवण शुक्र

- सव्रण शुक्र is directly co-relates with the corneal ulcer of white colour.

- Ref - शालाक्य तन्त्र / सुश्रुत संहित

- Factors -
  - व्याधि नाम — ①
  - दोष — ②
  - चिकित्सा सूत्र — ③
  - आधुनिक पर्याय — ④

① व्याधि नाम - सव्रण शुक्र — ①

- रोगोत्पादक दोष - रक्त (Blood) — ②

- चिकित्सा सूत्र - असाध्य — ③

Scanned with OKEN Scanner

आधुनि पर्याय — corneal ulcer

- निगम रूप — ①
- कृष्ण — ②
- सूच्येव विद्धं — ③
- उष्णा — ④
- सव्रण शुक्ल — ⑤

Acc to वाग्भट —

Stage-01 — disintegrated due to पित्त increases — ①

Stage-02 — ulcers spreads to 2nd layer — ②

Stage 03 — ulcer penetrates — ③
producing excessive ulceration

चिकित्सा — आश्च्योतन — ①
— तर्पण — ②
— वैवर्ण्य नाशन — ③
— घर्षण — ④.

Scanned with OKEN Scanner

• diagram –

अव्रण शुक्ल (corneal opacity)

अव्रण शुक्ल directly co-relates with the corneal opacity.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors

- व्याधि नाम — ①
- दोष नाम — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤

• व्याधि नाम - अव्रण शुक्ल
  - corneal opacity

• दोष नाम - रक्त (Blood)

• चिकित्सा सूत्र - साध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

— आधुनिक पर्याय — corneal opacity

— The white flower indicates शुक्ल

— In Local Language — called as 'Phool'!

— लक्षण —

· diagram —

— visual loss — ①
— वेदना — ②
— Suppurated — ③
— Trauma — ④
— रक्तपूर्णता — ⑤

· चिकित्सा — त्रिफला क्वाथ
— सैन्धव लवण — ①
— पिप्पली — ②
— मरिच — ③
— शंख — ④.

Scanned with OKEN Scanner

अजकाजात (Staphyloma)

अजकाजात directly co-relates with the goat faeces and in Modern co-relation - (Staphyloma)

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोष — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण/s — ⑤

① व्याधिनाम - अजकाजात
- Staphyloma

② दोष - रक्त

Scanned with OKEN Scanner

③ चिकित्सा सूत्र - असाध्य

④ आधुनिक पर्याय - Anterior Staphyloma

⑤ लक्षण - Like faeces goat - ①
- Painful - ②
- दाह - ③
- Slimy tears - ④
- लोहित - ⑤

- Clinical features -
- White coloured Nodule - ①
- Discharges thick - ②
- Slimy blood - ③
- 03 Month Breaks - ④

Scanned with OKEN Scanner

अक्षिपाकात्यय (Non-ulcerative Keratitis)

अक्षिपाकात्यय is directly co-relates with the Non-ulcerative Keratitis

Means suppuration of eye.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

Factors

- व्याधिनाम — ①
- दोष — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- आधुनिक पर्याय — ⑤
- लक्षण's — ⑥

व्याधिनाम - अक्षिपाकात्यय — ①

- (Non-ulcerative Keratitis) — ②

(2) दोष - त्रिदोष

- वातज — (1)
- पित्तज — (2)
- कफज — (3)

(3) चिकित्सा सूत्र - असाध्य

(4) आधुनिक पर्याय - Non-Ulcerative Keratitis.

(5) लक्षण - रुज: — (1)

- दाह — (2)
- शोफ — (3)
- पाण्डु — (4)
- ज्वर — (5)
- तीव्र Pain — (6)

Scanned with OKEN Scanner

Diagram -

चिकित्सा — Needle Punctuation — (1)
— Surgical treatment — (2)
— DCR. — (3).

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

• शुक्लगत रोग •

शुक्लगत रोग — A/c to सुश्रुत = 11. — (1)
A/c to वाग्भट = 13 — (2)

- They are as follows :

• A/c to सुश्रुत -

- प्रस्तारि अर्म — (1)
- शुक्ल अर्म — (2)
- लोहित अर्म — (3)
- अधिमांसज अर्म — (4)
- स्नायु अर्म — (5)
- शुक्तिका — (6)
- अर्जुन — (7)
- पिष्टक — (8)
- बलासग्रथित — (9)
- सिराजाल — (10)
- सिराजपिडिका — (11).

Scanned with OKEN Scanner

अर्म (Pterygium)

- अर्म is directly co-relates with the Pterygium
- In Accordance with the fleshy mass/tissue.

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Types. -

- प्रस्तारि अर्म — ①
- शुक्ल अर्म — ②
- लोहित अर्म — ③
- अधिमांसज अर्म — ④
- स्नायु अर्म — ⑤

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोष नाम — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- आधुनिक पर्याय — ⑤
- साध्य/असाध्य — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① प्रस्तारि अर्म -

- व्याधिनाम - प्रस्तारि अर्म | A/c to सुश्रुत/वे

- दोषनाम - त्रिदोष
  - वातज - ①
  - पित्तज - ②
  - कफज - ③

- चिकित्सा सूत्र - शस्त्र कर्म
  Surgical Procedures
  Para surgical Procedures.

- अधिष्ठान - शुक्ल मण्डल

- आधुनिक पर्याय - Pterygium.

- साध्य/असाध्य - साध्य व्याधि

- दीपिका — ①
- आतंक दर्पण — ②
- उत्सन्न विस्तृत — ③

चिकित्सा — छेदन — ①
— भेदन — ②
— लेखन — ③

शुक्ल अर्म —

- व्याधि नाम — शुक्ल अर्म
- रोगोत्पादक दोष — कफ दोष
- चिकित्सा सूत्र — शस्त्रकर्म
  — Surgical Procedure
  — Para-Surgical Procedure.
- अधिष्ठान — शुक्ल मण्डल

- आधुनिक पर्याय - Pterygium.

- साध्य/असाध्यता - साध्य व्याधि

③ लोहित अर्म -

- व्याधि नाम - लोहित अर्म
- दोषनाम - रक्त
- चिकित्सा सूत्र - शस्त्रकर्म
- अधिष्ठान - शुक्लमण्डल
- आधुनिक पर्याय - Pterygium.
- साध्य/असाध्य - साध्य व्याधि.

Scanned with OKEN Scanner

अधिमांसज अर्म -

- व्याधिनाम - अधिमांसज अर्म
- दोषनाम - त्रिदोष
  - वातदोष — ①
  - पित्त दोष — ②
  - कफदोष — ③
- चिकित्सा सूत्र - शस्त्रकर्म
  - Surgical Procedure
- अधिष्ठान - शुक्लमण्डल
- आधुनिक पर्याय - Pterygium.
- साध्य/असाध्य - साध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

⑤ स्नायु अर्म -

- व्याधि नाम - स्नायु अर्म
- दोष नाम - त्रिदोष —— ①
  - वात दोष —— ②
  - पित्त दोष —— ③
  - कफ दोष —— ④.
- चिकित्सा सूत्र - शस्त्र कर्म
  surgical Procedure.
- अधिष्ठान - शुक्ल मण्डल
- आधुनिक पर्याय - Pterygium
- साध्य / असाध्य - साध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

शुक्तिका (Bitot's spot)

- शुक्तिका is directly co-relates with the Bitot's spot
- shell type आकृति
- small elevated Blackish spot.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम — (1)
- दोष नाम — (2)
- चिकित्सा सूत्र — (3)
- अधिष्ठान — (4)
- आधुनिक पर्याय — (5)
- साध्य / असाध्यत — (6)

Scanned with OKEN Scanner

1. व्याधिनाम - शुक्तिका
2. दोषनाम - पित्त दोष Predominant
3. चिकित्सा सूत्र - औषधि चिकित्सा
4. अधिष्ठान - शुक्ल मण्डल
5. आधुनिक पर्याय - Bitot's spots
6. साध्य / असाध्यता - साध्य व्याधि

- लक्षण :- Blackish — 1
  - दाह — 2
  - वेदन — 3
  - पिडिका — 4
  - मलावृत — 5
  - श्याव — 6.

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा –

- सिरव्याध — ①
- पलास्यादी — ②
- मुस्तादी — ③
- आम्लकादी — ④
- घृतपान — ⑤
- वैदुय अञ्जन — ⑥.

diagram –

Scanned with OKEN Scanner

अर्जुन (Subconjunctival Haemorrhage)

- अर्जुन is directly co-relates with the sub-conjunctival Haemorrhage
- Single red dot Resembling like Rabbit Blood.

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधि नाम — ①
- दोष नाम — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- आधुनिक पर्याय — ⑤
- साध्य / असाध्यता — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम - अर्जुन (A/c to सुश्रुत / A/c to वाग्भट)

② दोष नाम - रक्त

③ चिकित्सा सूत्र - औषधि चिकित्सा / प्रयोग

④ अधिष्ठान - शुक्ल मण्डल

⑤ आधुनिक पर्याय - Sub conjunctival Haemorrhage

⑥ साध्य / असाध्यत - साध्य व्याधि

- लक्षणां - दाह: — ①
  - शोफ — ②
  - कण्डु — ③
  - रक्त — ④
  - ज्वर — ⑤

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा -

- आश्च्योतन — ①
- सिरव्याध — ②
- घृतपान — ③
- अञ्जन — ④

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

पिष्टका (Pinguecula)

- पिष्टका is directly co-relates with the pinguecula
- water droplet like.
- Elevated type.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम —— ①
- दोषनाम —— ②
- चिकित्सा सूत्र —— ③
- अधिष्ठान —— ④
- आधुनिक पर्याय —— ⑤
- साध्य / असाध्य —— ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम - पिष्टका

② दोष नाम - कफ दोष

③ चिकित्सा सूत्र - औषधि चिकित्सा

④ अधिष्ठान - शुक्ल मण्डल

⑤ आधुनिक पर्याय - Pinguecula

⑥ साध्य/असाध्य - साध्य व्याधि

- लक्षण - ज्वर — ①
  - दाह: — ②
  - वेदन — ③
  - उत्सङ्ग — ④
  - पिष्टिका type — ⑤

- चिकित्सा - अञ्जन type — ①
  - घृतपान — ②
  - बृहत्यादी अञ्जन — ③
  - महौषधादी अञ्जन — ④.

Scanned with OKEN Scanner

बलासग्रथित (Inflammed Pinguecula)

बलासग्रथित is directly co-relates with Inflammed Pinguecula

- water drop like swelling

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधि नाम — ①
- दोष नाम — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- साध्य/असाध्य — ⑤
- लक्षणं — ⑥.

① व्याधि नाम – बलासग्रथित (Inflammed Pinguecula).

Scanned with OKEN Scanner

- दोषनाम - कफ दोष Predominant
- चिकित्सा सूत्र - औषधि चिकित्सा
- अधिष्ठान - शुक्लमण्डल
- आधुनिक पर्याय - Inflamed Pinguecula
- साध्य / असाध्य - साध्य व्याधि
- लक्षण - Swelling — ①
  - शोथ — ②
  - ज्वर — ③
  - वेदना — ④
  - Inflamed — ⑤
  - रक्तस्राव — ⑥

चिकित्सा - अञ्जन योग — ①
- लेप — ②
- पुटपाक — ③
- औषध — ④.

सिराजाल (Diffuse episcleritis)

- सिराजाल is directly co-relates with the Diffuse episcleritis
- veins Becomes Rigid -
- and filled with Blood

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

Factors -

- व्याधिनाम —— ①
- दोषनाम —— ②
- चिकित्सा सूत्र —— ③
- अधिष्ठान —— ④
- आधुनिक पर्याय —— ⑤
- साध्य / असाध्यता —— ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम – सिराजाल

② दोषनाम – रक्त

③ चिकित्सा सूत्र – शस्त्रकर्म
– Surgical Procedure

④ अधिष्ठान – शुक्लमण्डल

⑤ आधुनिक पर्याय – Diffuse episcleritis

⑥ साध्य / असाध्यता – साध्य व्याधि

⑦ लक्षण –
- जाल — ①
- Pus filled — ②
- वेदना — ③
- Inflammed — ④
- Redness. — ⑤
- Visual opacity ↓. — ⑥
- सिरा स्थूल — ⑦.

सिराज पिडिका

सिराज पिडिका is directly co-relates with the
Nodular episcleritis
Nodular swelling — ①
Blood vessels — ②

ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोषनाम — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- आधुनिक पर्याय — ⑤
- साध्य / असाध्यत — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम – सिराज पिडिका
(Nodular episcleritis)

② दोषनाम – त्रिदोष
– वात दोष – ①
– पित्त दोष – ②
– कफ दोष – ③

③ चिकित्सा सूत्र – शस्त्रकर्म
– surgical Procedure

④ अधिष्ठान – शुक्ल मण्डल

⑤ आधुनिक पर्याय – Nodular episcleritis

⑥ साध्य / असाध्य – साध्य व्याधि

⑦ लक्षण's – ज्वर – ①
– वेदना – ②
– Redness – ③
– पिडका – ④
– Inflammation – ⑤.

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा — शस्त्र कर्म — (1)
— लेखन कर्म — (2)
— छेदन कर्म — (3)

diagram. –

Scanned with OKEN Scanner

• Pterygium • (Eye Web)

- A growth that starts on the clear tissue of eye that can spread to the cornea.

• Factors -

- Degenerative condition — ①
- Wing shaped triangular fold — ②

- Pathology — ③
- Parts — ④
- Symptoms — ⑤
- Signs — ⑥
- Types — ⑦
- Treatment — ⑧.

① Pathology - Degenerative condition — ①
- Hyperplastic condition — ②
- degeneration — ③
- Proliferation — ④
- granulation — ⑤

Scanned with OKEN Scanner

corneal epithelium
Bowman's layer → destroyed
Superficial stroma

- Parts — Head — ①
  - Neck — ②
  - Body — ③
  - cap. — ④

- Symptoms — Asymptomatic condition — ①
  - F.B sensation — ②
  - Defective vision — ③
  - Diplopia — ④

- Signs — Triangular fold — ①
  - double Pterygium — ②

- Types — Progressive — ①
  - Regressive — ②

Scanned with OKEN Scanner

① Progressive — Thick — ①
— fleshly — ②
— Vascular — ③
— Infiltrate — ④

② Regressive — Thin — ①
— Atrophic — ②
— Attenuated — ③
— Vascularity — ④

Treatment —
— Surgical excision — ①
— Topical Anaesthesia — ①
— clean and drape — ②
— Apply universal speculum — ③
— Pterygium lifted — ④
— separation — ⑤
— Excised — ⑥
— Haemostasis — ⑦
— Cauterization — ⑧
— suture — ⑨.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दृष्टिगत रोग's

- दृष्टिगत is total 12 in Number
- दृष्टि आश्रित = 06 प्रकार लिंगनाश
- 06 प्रकार Another Basic classifications.

- रोग नाम
- वातज लिंगनाश
- पित्तज लिंगनाश
- कफज लिंगनाश
- रक्तज लिंगनाश
- सन्निपातज लिंगनाश
- परिम्लायि लिंगनाश
- पित्तविदग्ध दृष्टि
- कफविदग्ध दृष्टि
- धूमदर्शी
- ह्रस्वजाड्य
- नकुलान्ध्य

- गम्भीरिका

Total - 12 दृष्टिगतरोग's

Scanned with OKEN Scanner

• वातज लिङ्गनाश •

वातज लिङ्गनाश is directly co-relates with the cataract

- लिंग indicates loss of vision

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधिनाम — ①
- दोष — ②
- चिकित्सा सूत्र — ③
- अधिष्ठान — ④
- आधुनिक पर्याय — ⑤
- लक्षण's — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

- वातज लिंगनाश

- व्याधिनाम – वातज व्याधि लिंगनाश
- दोष – वात दोष Predominant
- अधिष्ठान – दृष्टिगत / दृष्टिमण्डल
- आधुनिक पर्याय – cataract
- चिकित्सा – असाध्य
- लक्षण – Inflammation – (1)
  - pain – (2)
  - Redness – (3)
  - शोथ – (4)
  - तीव्र वेदना – (5)
- उपद्रव – अवरतकी – (1)
  - शर्करा – (2)
  - रजीमती – (3)
  - चिन्हम् सूक्ष्म – (4)
  - चन्द्राकी – (5)
  - चत्राकी – (6)

Scanned with OKEN Scanner

पित्तज लिङ्गनाश -

- व्याधिनाम - पित्तज लिङ्गनाश
- दोषनाम - पित्त दोष
- चिकित्सा सूत्र - असाध्य व्याधि
- अधिष्ठान - दृष्टिगत / दृष्टि मण्डल
- आधुनिक पर्याय - cataract
- लक्षण -
  - श्वेत वर्ण — ①
  - Pus formation — ②
  - Inflammation — ③
  - Loss of vision — ④
  - ज्वर — ⑤
  - वेदन — ⑥
- उपद्रव -
  - अवरतकी — ①
  - शर्कर — ②
  - रजीमती — ③
  - चम्राकी — ④

Scanned with OKEN Scanner

(3) कफज लिङ्गनाश

- व्याधिनाम - कफज लिङ्गनाश
- दोषनाम - कफज दोष Predominant
- चिकित्सा सूत्र - शस्त्र चिकित्सा / साध्य
- अधिष्ठान - दृष्टि मण्डल
- आधुनिक पर्याय - cataract
- उपद्रव - अवर्तकी — (1)
  - चन्द्रकी — (2)
  - शर्कर — (3)
  - चन्नाकी — (4)

रक्तज लिंगनाश -

- व्याधिनाम - रक्तज लिंगनाश
- दोषनाम - रक्त
- चिकित्सा सूत्र - असाध्य व्याधि
- अधिष्ठान - दृष्टिमण्डल
- आधुनिक पर्याय - cataract
- लक्षण - रक्त लक्षण — ①
  - Redness — ②
  - Inflammation — ③
  - शोथ — ④

सन्निपातज लिंगनाश -

- व्याधिनाम - सन्निपातज लिंगनाश
- दोषनाम - त्रिदोष
  - वातज दोष — ①
  - कफज दोष — ②
  - पित्तज दोष — ③.

Scanned with OKEN Scanner

- चिकित्सा सूत्र – असाध्य व्याधि
- अधिष्ठान – चिकित्सा / दृष्टि मण्डल
- आधुनिक पर्याय – cataract
- लक्षण – रक्त प्रधान – ①
  - तीव्र पाक – ②
  - Inflammation – ③
  - Pus formation – ④
  - Visual opacity loss – ⑤

- परिम्लायि लिङ्गनाश –
  - व्याधिनाम – परिम्लायि लिङ्गनाश
  - अधिष्ठान – दृष्टि मण्डल
  - दोषनाम – पित्त + रक्त
  - चिकित्सा सूत्र – असाध्य व्याधि
  - आधुनिक पर्याय – cataract.

Scanned with OKEN Scanner

विदग्ध दृष्टि

विदग्ध दृष्टि is directly co-relates with the day-blindness and Night Blindness.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors

- व्याधिनाम —— ①
- दोष नाम —— ②
- चिकित्सा सूत्र —— ③
- अधिष्ठान —— ④
- आधुनिक पर्याय —— ⑤
- लक्षण's —— ⑥

① व्याधिनाम — पित्तविदग्ध दृष्टि

② दोष नाम — पित्त दोष Predominent

(3) चिकित्सा सूत्र - औषधि चिकित्सा
साध्य व्याधि

(4) अधिष्ठान - दृष्टि मण्डल

(5) आधुनिक पर्याय - Day-Blindness.

(6) लक्षण - yellowish discolouration — (1)
- yellow Appearance — (2)
(पीत दृष्टि)
(पीत रूप दर्शन)

- चिकित्सा - नस्य कर्म — (1)
- परिषेक — (2)
- अञ्जन — (3)
- आलेप — (4)
- पुटपाक — (5)
- तर्पण — (6)

कफविदग्ध दृष्टि

व्याधिनाम - कफविदग्ध दृष्टि

दोषनाम - कफ Predominant

चिकित्सा सूत्र - औषधीय चिकित्सा सूत्र

अधिष्ठान - दृष्टि मण्डल

- आधुनिक पर्याय - Night Blindness.

- लक्षण - white in colour
- कफदोष Predominant
- Visual opacity loss.
- कफदोष less.

चिकित्सा - अञ्जन
- पुटपाक
- तर्पण
- वर्ती
  - कृष्णाजीरकादी वर्ती - ①
  - स्रोतोञ्जन रस - ②
  - द्वि हरिद्र रसअञ्जन वर्ती - ③
  - कुशांग हरितकी - ④.

Scanned with OKEN Scanner

धूमदर्शी

- धूमदर्शी directly co-relates with the Retinal Haemorrhage
- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता
- Factors -
  - व्याधिनाम —— ①
  - दोषनाम —— ②
  - चिकित्सासूत्र —— ③
  - अधिष्ठान —— ④
  - आधुनिकपर्याय —— ⑤
  - लक्षण —— ⑥

① व्याधिनाम - धूमदर्शी

② दोषनाम - पित्त दोष Predominant.

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा सूत्र – औषधि चिकित्सा सूत्र

अधिष्ठान – दृष्टि मण्डल

आधुनिक पर्याय – Retinal Haemorrhage

लक्षण – Psychological factors — ①

– [illegible] — ②

– Mental strain — ③

– तीव्र वेदना — ④

– रक्त स्राव: — ⑤

– सिर व्याधि — ⑥

– चक्षु वेदना — ⑦

– Retinal damage — ⑧

चिकित्सा – घृतपान — ①

– अञ्जन — ②

– स्निग्ध विरेचन — ③

– स्नेहन — ④

– नस्य कर्म — ⑤

– शीत प्रदेह — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

इक्षुबालाह्य

- इक्षुबालाह्य is directly co-relates with the Retinitis Macula In accordance with शालाक्य

- Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors –

- व्याधिनाम – ①
- दोषनाम – ②
- अधिष्ठान – ③
- आधुनिक पर्याय – ④
- चिकित्सा सूत्र – ⑤
- लक्षण – ⑥.

① व्याधिनाम – इक्षुबालाह्य

② दोषनाम – पित्त दोष Predominant

③ अधिष्ठान – दृष्टि मण्डल

1) आधुनिक पर्याय – Retinitis Macula

2) चिकित्सा सूत्र – असाध्य व्याधि / औषधि चिकित्सा

3) लक्षण's – Small size deformity
– partial vision
(पटलीनी)

चिकित्सा → – some औषधि चिकित्सा
can be given.

Scanned with OKEN Scanner

नकुलान्ध्य

- नकुलान्ध्य is directly co-relates with the Night-blindness In accordance with the शालाक्य तंत्र

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors -

- व्याधिनाम - नकुलान्ध्य
  - Night-Blindness.

- दोषनाम - त्रिदोष Predominant
  - वात दोष - ①
  - पित्त दोष - ②
  - कफ दोष - ③

- अधिष्ठान - दृष्टिमण्डल (Visual Activity) (chamber)

आधुनिक पर्याय — Night Blindness

लक्षण — appears like
Maangoose (नकुल)
— Abnormal colour
— Visual opacity gone
— No pain.
— darkness.

चिकित्सा — असाध्य व्याधि
Incurable to treat.

Scanned with OKEN Scanner

गम्भीरिका (Iridocyclitis)

- गम्भीरिका directly co-relates with the Iridocyclitis (Anterior Uveitis).
- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता
- Factors -
  - व्याधिनाम — ① गम्भीरिका
  - दोषनाम — ② वात दोष
  - अधिष्ठान — ③ दृष्टि मण्डल
  - आधुनिक पर्याय — ④ Iridocyclitis
  - चिकित्सा सूत्र — ⑤ असाध्य व्याधि
  - लक्षण — ⑥ - deformed shape — ①
    - रुजा — ②
    - तीव्र वेदना — ③
    - eyeball constriction — ④

तिमिर — (Blindness)

तिमिर is directly co-relates with the Blindness inaccordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors —

- व्याधिनाम — ①
- Classification — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- चिकित्सा सूत्र — ⑤
- लक्षणा's — ⑥.

06 stages of व्याधि formation —

- संचय — stage 01. दोष भेद — stage-06.
- प्रकोप — stage-02 जलकर्ष्टि पटल-04.
- प्रसर — stage-03 गौरूप
- स्थानसंश्रय — stage-04 दृष्टि मण्डल
- व्यक्ति — stage-05 पटल -01

① व्याधिनाम – तिमिर (Blindness)

② classifications –

– Based on दोष —— ①
– Based on पटल —— ②
– Based on निज and आगन्तुज —— ③
– Based on साध्य/ असाध्य —— ④

① Based on दोष –

– वातज —— ①
– पित्तज —— ②
– कफज —— ③
– रक्तज —— ④
– संसर्गज —— ⑤ (पित्त + रक्त)
– सन्निपातज —— ⑥

② Based on पटल

– तिमिर – (पटल-01)
– तिमिर – (पटल-02)
– तिमिर – (पटल-03)

· लिंगनाश/काच –

Scanned with OKEN Scanner

Based on निज and आगन्तुज

- आभ्यन्तर लिंगनाश (निज) — ①
- बाह्य लिंगनाश — (आगन्तुज) — ②

आभ्यन्तर लिंगनाश — Befor colour — ①; After colour — ②

बाह्य लिंगनाश — सनिमित्त — ①; अनिमित्त — ②

Base on साध्य / असाध्यत —

- साध्य — कफज
- असाध्य — Remaining 05 types.

Scanned with OKEN Scanner

① प्रथम पटलगत तिमिर (प्रथम)

- सिरानु सारिणि — ①
- अव्यक्त — ②
- मीक्षते — ③
- व्यक्त — ④
- आव्य — ⑤
- निमित्त — ⑥

A/c to आचार्य अधामाला -

- रस - रक्तक्षय — ①
- मांस - रक्तक्षय — ②
- मेद - रक्तक्षय — ③
- कोमल स्थितम — ④.

② द्वितीय पटलगत तिमिर -

- विह्वलदर्शन — ①
- गौच्चार विभ्रम — ②
- सुचिपास — ③.

Scanned with OKEN Scanner

तृतीय पटलगत तीमिर -

- काचता — ①
- दृष्टि हीयते — ②
- कर्ण — ③
- नासा — ④
- अक्षि — ⑤
- पार्श्व स्थान — ⑥
- द्विधा स्थिते — ⑦

Based on दोष — (Reddish, unstable)

वातज तिमिर -

- व्याधिनाम — तीमिर (Blindness)
- दोषनाम - वात Predominant
- अधिष्ठान - दृष्टिमण्डल
- आधुनिक पर्याय - Blindness.
- चिकित्सा सूत्र - असाध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

② पित्तज तिमिर

- व्याधिनाम – तिमिर
- दोषनाम – पित्त Predominant
- अधिष्ठान – दृष्टिमण्डल
- आधुनिकपर्याय – Blindness.
- चिकित्सा सूत्र – असाध्य व्याधि

③ कफज तिमिर – whitish in colour glossy type.

- व्याधिनाम – तिमिर
- दोषनाम – कफ Predominant
- अधिष्ठान – दृष्टिमण्डल
- आधुनिपर्याय – Blindness.
- चिकित्सा सूत्र – साध्य व्याधि / औषिध चिकित्सा
  - शस्त्र कर्म चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

कफज तिमिर चिकित्सा

- अमृतादी घृत — ①
- स्निग्ध विरेचन — ②
- अञ्जन — ③
- तर्पण — ④
- पुटपाक — ⑤
- स्वेदन — ⑥
- त्रिफला + मधु — ⑦
- नस्यकर्म — ⑧
- सिरव्याध — ⑨

रक्तज तिमिर — (Bloody darkness)

- व्याधिनाम — तिमिर
- दोषनाम — रक्तज
- अधिष्ठान — दृष्टिमण्डल
- आधुनिक पर्याय — Blindness
- चिकित्सा सूत्र — असाध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

• संसर्गज तिमिर – (पित्त + रक्त)

- व्याधिनाम – तिमिर
- दोषनाम – पित्त + रक्त
- अधिष्ठान – दृष्टिमण्डल
- आधुनिक पर्याय – Blindness.
- चिकित्सासूत्र – असाध्य व्याधि

• सन्निपातज तिमिर – (त्रिदोष तिमिर)

- व्याधिनाम – तिमिर
- दोषनाम – वात
  - पित्त
  - कफ
- अधिष्ठान – दृष्टिमण्डल
- आधुनिक पर्याय – Blindness.
- चिकित्सासूत्र – असाध्य व्याधि

- लक्षण
  - चित्राणी
  - विप्लुत
  - द्विविधा
  - बहुधा

सर्वगत रोग's

- सर्वगत रोग's are 17 in Numbers.
  A/c to सुश्रुत (आचार्य)

सुश्रुत अनुसार

- वातज अभिष्यन्द — (1)
- पित्तज अभिष्यन्द — (2)
- कफज अभिष्यन्द — (3)
- रक्तज अभिष्यन्द — (4)
- वातज अधिमन्थ — (5)
- पित्तज अधिमन्थ — (6)
- कफज अधिमन्थ — (7)
- रक्तज अधिमन्थ — (8)
- हताधिमन्थ — (9)
- वातपर्याय — (10)
- अन्यतोवात — (11)
- शुष्काक्षिपाक — (12)
- सशोफ नेत्रपाक — (13)
- अशोफ नेत्रपाक — (14)
- अम्लाध्युषित — (15)
- सिरोत्पात — (16)
- सिराहर्ष — (17)

• Conjunctivitis diagram

वातज अभिष्यन्द – (Sub-Acute Catarrhal conjunctivitis)

वातज अभिष्यन्द directly co-relates with the conjunctivitis in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधिनाम — ①
- दोषनाम — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक वर्गीय — ④
- चिकित्सा सूत्र — ⑤
- लक्षणा's — ⑥.

① व्याधिनाम – अभिष्यन्द

② दोष रोगउत्पादक – वातज Predominant.

Scanned with OKEN Scanner

③ अधिष्ठान – सर्वमण्डल (Aqueous + Vitreous chamber)

④ आधुनिक पर्याय – conjunctivitis.

⑤ चिकित्सा सूत्र – वेधनकर्म

⑥ लक्षण – Blackish in colour ①
- Inflammation. ②
- Pain. ③
- viscosity ↑ ④
- opacity decreases. ⑤
- conjunctival sac damages. ⑥
- Pricking sensation. ⑦
- शिरःशूल ⑧
- रुजा ⑨
- watery discharges ⑩

पिल्ल अभिष्यन्द

पिल्ल अभिष्यन्द directly co-relates with the Acute conjunctivitis. In accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित
सर्वगत रोग

Factors -

- व्याधि नाम — ①
- दोष रोग उत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षणा — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम - पिल्ल अभिष्यन्द

Scanned with OKEN Scanner

(2) दोष रोग उत्पाद - पित्तज

(3) अधिष्ठान - सर्वमण्डल

(4) आधुनिक पर्याय - Acute conjunctivitis

(5) लक्षणाः - दाह। — (1)
- वेदन क्रिया — (2)
- smokiness — (3)
- yellowish discolouration — (4)
- pricking sensation — (5)
- Inflammation — (6)

(6) चिकित्सा सूत्र - वेधन कर्म
साध्य व्याधि (curable)

० कफज अभिष्यन्द ०

कफज अभिष्यन्द is directly co-relates with the Purulent conjunctivitis / Allergic conjunctivitis

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोषरोग उत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम — कफ अभिष्यन्द (Purulent conjunctivitis)

Scanned with OKEN Scanner

② दोष रोग उत्पाद — कफज दोष
Predominant

③ अधिष्ठान — सर्वरोग.

④ आधुनिक पर्याय — Purulent conjunctivitis

⑤ लक्षण — Heaviness ——— ①
— Pain ——— ②
— Inflammation ——— ③
— whiteness ——— ④
— excessive coldness ——— ⑤
— Itching कण्डू ——— ⑥
— पिच्छिल ——— ⑦
— Excessive discharge ——— ⑧

० चिकित्सा सूत्र — वेधन कर्म + औषधि चिकित्सा

• स्रवण अभिष्यन्द •

स्रवण अभिष्यन्द is directly co-relates with the conjunctivitis (Acute Mucopurulent conjunctivitis)

- ciliary congestion.
- uveal tract.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- अभिनाम — ①
- दोषरोगउपाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक विषय — ④
- चिकित्सा सूत्र — ⑤
- लक्षणाः — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम — रक्तज अभिष्यन्द

② दोष रोगउत्पाद — रक्तज

③ अधिष्ठान — सर्वगत रोग

④ आधुनिक पर्याय — conjunctivitis

⑤ लक्षणा's — Brown coloured tears.
— Red discolouration of eye.
— अति लोहित राजयह:

⑥ चिकित्सा सूत्र — वेधन कर्म / औषधि चिकित्सा.

- ताम्र — ①
- लोहित नेत्र — ②
- समंतत अति लोहित — ③

Scanned with OKEN Scanner

अधिमन्थ (Glaucoma)

अधिमन्था is directly co-relates with the Glaucoma in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोष रोग उत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

अधिमन्थ —
- वातज — ①
- कफज — ④
- पित्तज — ③
- रक्तज — ④

① व्याधिनाम — वातज अधिमन्थ (Glaucoma).

Scanned with OKEN Scanner

② दोषप्रभावाद — वात दोष उत्पाद

③ अधिष्ठान — सर्वमण्डल

④ आधुनिक पर्याय — Galucoma

⑤ लक्षण% — दाह — ①
— शोक — ②
— कण्डू — ③
— संहर्ष — ④
— itching — ⑤
— pricking sensation — ⑥

⑥ चिकित्सा - वेधन कर्म / औषधि कर्म / चिकित्सा.

Scanned with OKEN Scanner

पित्तज अधिमन्थ

- पित्तज अधिमन्थ is directly co-relates with the Glaucoma In accordance with the शालाक्य तंत्र

- **Ref** – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

- Factors –
  - व्याधिनाम — ①
  - दोषरोग उत्पाद — ②
  - अधिष्ठान — ③
  - आधुनिक पर्याय — ④
  - लक्षणानि — ⑤
  - चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम – अधिमन्थ (पित्तज)

② दोष रोग उत्पाद – पित्तज दोष Predominant.

Scanned with OKEN Scanner

③ अधिष्ठान — सर्वमण्डल

④ आधुनिक पर्याय — Galucoma

⑤ लक्षण's — eye shrinking — ①
— Severe Pain — ②
— दाह — ③
— कण्डू — ④
— शोथ — ⑤
— तीव्र वेदना — ⑥

⑥ चिकित्सा सूत्र — असाध्य व्याधि / वेधनकर्म
औषधि चिकित्सा

— स्नेहन — ①
— स्वेदन — ②
— रक्तमोक्षण — ③
— परिषेक — ④
— अलेप — ⑤
— नस्य — ⑥
— अञ्जन — ⑦.

Scanned with OKEN Scanner

कफज अधिमन्थ

व्याधिनाम - अधिमन्थ

दोष रोग उत्पाद - कफज दोष

अधिष्ठान - सर्व रोग मण्डल

आधुनिक पर्याय - Glaucoma

लक्षण's - whitish — 1
- Heaviness — 2
- smoothness — 3
- pain — 4
- Inflammed — 5

चिकित्सा सूत्र - वेधन कर्म / औषधि चिकित्सा.

Scanned with OKEN Scanner

- रक्तज अधिमन्थ -

- व्याधिनाम - अधिमन्थ
- दोषरोग उत्पाद - रक्तज दोष Predominant
- अधिष्ठान - सर्वमण्डल
- आधुनिक पर्याय - Glaucoma.
- लक्षण - Brown coloured — ①
  - Itching (कण्डू) — ②
  - Pain
  - शोथ — ③
  - Inflammed — ④
  - Visual opacity — ⑤ ⑥
- चिकित्सा - वेधनकर्म / औषधि चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

० हताधिमन्थ ०

हताधिमन्थ is directly co-relates with the (Absolute Glaucoma) in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधिनाम — ①
- दोषरोग स्वाप — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम – हताधिमन्थ (Absolute Glaucoma)

Scanned with OKEN Scanner

② दोष रोग व्याद -

वात दोष

③ अधिष्ठान - सर्व मण्डल

④ आधुनिक पर्याय - Absolute Glaucoma

⑤ लक्षण - eye shrinking — ①
- Severe Pain — ②
- स्तम्भन — ③
- Glaucoma — ④
- Inflammed — ⑤

⑥ चिकित्सा सूत्र - असाध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

वातपर्यय

वातपर्यय is directly co-relates with the Neuralgic pain. In accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- अधिष्ठान — ②
- दोषरोगउत्पाद — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम - वातपर्यय

② दोषरोगउत्पाद - वात दोष Predominant.

Scanned with OKEN Scanner

(3) अधिष्ठान - सर्व मण्डल

(4) आधुनिक पर्याय - Neuralgic pain

(5) लक्षण's - वात vitiated — (1)
- दाह — (2)
- कण्डु — (3)
- शोथ — (4)
- Pain — (5)

(6) चिकित्सा सूत्र - वेधन कर्म / औषधि चिकित्सा

औषधि चिकित्सा -

- स्वेदन — (1)
- स्नेहन — (2)
- तर्पण — (3)
- अभ्यंग — (4)

Scanned with OKEN Scanner

अन्यतोवात

अन्यतोवात is directly co-relate with the eye Neuralgic Pain - In accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम - ①
- दृष्टि रोग उपाय - ②
- अधिष्ठान - ③
- आधुनिक पर्याय - ④
- लक्षण - ⑤
- चिकित्सा सूत्र - ⑥

① व्याधिनाम - अन्यतोवात (eye Neuralgic Pain).

Scanned with OKEN Scanner

- दोष प्रभाव - वात दोष Predominant.

- अधिष्ठान - सर्व मण्डल

- आधुनिक पर्याय - Neuralgic pain in eye.

- लक्षण - दाह - ①
  - Severe pain - ②
  - अन्यतो वात - ③
  - शोथ - ④
  - कण्डू - ⑤.
  - सिरःशूल - ⑥

- चिकित्सा सूत्र - वेधनकर्म / औषधि चिकित्सा
  - स्नेहन विरेचन - ①
  - स्वेदन - ②
  - रक्तमोक्षण - ③
  - तर्पण / पुटपाक - ④.

Scanned with OKEN Scanner

• शुष्काक्षिपाक • (Dry eye syndrome)

शुष्काक्षिपाक is directly co-relates with the Dry eye Syndrome in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- लोकस्वोक उत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥.

① व्याधिनाम - शुष्काक्षिपाक (Dry eye syndrome)

Scanned with OKEN Scanner

- दोष रोग उपाय – वात दोष Predominant

- अधिष्ठान – सर्व मण्डल

- आधुनिक पर्याय – Dry eye syndrome

- लक्षण –
  - स्तब्धता – ①
  - रूक्षता – ②
  - Blurred – ③
  - दाह – ④
  - तीव्र वेदना – ⑤

- चिकित्सा सूत्र – साध्य व्याधि / औषधि चि
  (अशस्त्रकृत)

(Allergic chemosis) • अम्लाध्युषित • (seasonal conjunctivitis)

- अम्लाध्युषित is directly co-relates with the दोष (vitiated) - अम्ल type Reference (No specific co-relation)
- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors -

- व्याधिनाम - अम्लाध्युषित
- दोष - - पित्त दोष Predominant
- अधिष्ठान - सर्वमण्डल
- आधुनिक पर्याय - - (conjunctivitis)
- अधिष्ठान - सर्वमण्डल
- लक्षणास - श्याव दाह - ① excessive discharge - ④
  - swelling - ②
  - Bluish red eye - ③.

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा सूत्र - औषधि चिकित्सा / साध्य व्याधि

- स्नेह — ①
- स्वेदन — ②
- तर्पण — ③
- रक्तमोक्षण — ④
- स्नेह विरेचन — ⑤

सशोफ नेत्रपाक

सशोफ नेत्रपाक is directly co-relates with the Inflammation of eye in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम — ① — सशोफ नेत्रपाक (Inflammation of eye)
- दोषरोग उत्पाद - त्रिदोष
  - वात दोष — ①
  - पित्त दोष — ②
  - कफ दोष — ③
- अधिष्ठान — सर्व मण्डल
- आधुनिक पर्याय — (eye Inflammation)

Scanned with OKEN Scanner

- लक्षण - दाह — ①
  - संहर्ष — ②
  - शोफ — ③
  - ताम्रत्वा — ④
  - गौरत्वा — ⑤
  - निस्तोद — ⑥

- चिकित्सा सूत्र - वेधन कर्म / औषधि चिकित्सा

साध्य व्याधि (साधना)

अशोफ नेत्रपाक (Inflammation of eye)

अशोफ नेत्रपाक is directly co-relates with the Inflammation of eye in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधिभाव — ①
- दोष रोग उत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम — अशोफ नेत्रपाक

② दोष प्रधानता — त्रिदोष Predominant
- वात दोष — ①
- पित्त दोष — ②
- कफ दोष — ③

③ अधिष्ठान — सर्वमण्डल

④ आधुनिक पर्याय — Inflammation of eye

⑤ लक्षण — शोफ — ①
- कण्डू — ②
- दाह — ③
- वेदन — ④

⑥ चिकित्सा — साध्य व्याधि (व्याधान)
वेधन कर्म

Scanned with OKEN Scanner

सिरोउत्पात (episcleritis Periodica)

सिरोत्पात is directly co-relates with the episcleritis fugas. In accordance with the शालाक्य तंत्र.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- factors -
- व्याधिनाम - सिरोउत्पात (episcleritis)
- दोष — रक्त
- अधिष्ठान - सर्वमण्डल
- आधुनिक पर्याय - (episcleritis Periodica)
- लक्षण - दाह — ①
  - शोफ — ②
  - कण्डू — ③
  - coppery brown ताम्रत्वा — ④

Scanned with OKEN Scanner

- चिकित्सा सूत्र – वेधनकर्म / औषधि चिकित्सा
साध्य व्याधि

- क्षौद्र अभ्यन्त घृत — ①
– अञ्जन — ②
– तर्पण — ③
– पुटपाक — ④

Scanned with OKEN Scanner

सिराप्रहर्ष

- सिराप्रहर्ष is directly co-relates with the chronic congestion of conjunctival vessels.
- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता
- Factors -
- अधिष्ठान - सिराप्रहर्ष
- दोषदोष्य उत्पाद - रक्त
- अधिष्ठान - सर्वमण्डल
- आधुनिक पर्याय - chronic conjunctival vessels.
- लक्षण's - वेदना —— ①
  - दाह —— ②
  - Redness. —— ③
  - constricted Blood vessels —— ④
- चिकित्सा सूत्र - वेधन कर्म / साध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

वर्त्मगत रोग

वर्त्मगत रोग total Numbers — 21

- पक्ष्मकोप
- निमेष
- वातहत वर्त्म
- वर्त्मार्श
- लगण
- अंजननामिका
- बिस वर्त्म
- अर्शो वर्त्म
- शुष्कार्श
- वर्त्मार्बुद
- क्लिष्ट वर्त्म
- अक्लिन्न वर्त्म
- उत्संगिनी
- कुम्भीक पिडिका
- वर्त्म शर्करा
- बहलवर्त्म
- पोथकी
- वर्त्म बन्ध
- क्लिन्न वर्त्म
- वर्त्म कर्दम
- श्याववर्त्म

Modern co-relation k -

- Oedema
- Swelling
- Tumor
- Stye
- Chalazion
- papilloma
- Ptosis.
- Trichiasis.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

श्याव वर्त्म (oedema)

- श्याव वर्त्म is directly co-relates with the generalized odema in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र | सुश्रुत संहिता

- factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोष रोग उत्पादक — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- चिकित्सा सूत्र — ⑤
- लक्षण's — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम - श्याववर्त्म

② दोषरोगउत्पाद - त्रिदोषज व्याधि
- वात दोष — ①
- पित्त दोष — ②
- कफ दोष — ③

③ अधिष्ठान - वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय - Generalized Oedema of eyelids.

⑤ लक्षण's - External eye lids defect
- Internal eye lids defect
- Blackish colour
- दाह
- तीव्र वेदना
- itching
- discharges.

⑥ चिकित्सा सूत्र - लेखन कर्म / साध्य व्याधि
- प्रतिसारण चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

वर्त्मकर्दम

वर्त्मकर्दम is directly co-relates with the odema in a generalized form in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref. – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

– व्याधिनाम — ①
– दोष रोग उत्पादक — ②
– अधिष्ठान — ③
– आधुनिक पर्याय — ④
– लक्षण's — ⑤
– चिकित्सा सूत्र — ⑥.

① व्याधि नाम – वर्त्मकर्दम

② दोष रोग उत्पादक – त्रिदोष Predominant
– वात दोष
– पित्त दोष
कफदोष

Scanned with OKEN Scanner

③ अधिष्ठान – वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय – Generalized oedema in eye lid.

⑤ लक्षण – क्लिष्ट – ①
– पिल्ल युक्त – ②
– शोणित – ③
– क्लिन्न – ④
– eyelids moist – ⑤

⑥ चिकित्सा सूत्र – लेखन चिकित्सा/कर्म

विलष्ट वर्त्म (Generalized oedema)

विलष्ट वर्त्म is directly co-relate with the Generalized oedema in accordance with the शालाक्य तंत्र Ref- शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors

- व्याधिनाम — ①
- दोषरोगोत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षणs — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम — विलष्ट वर्त्म

② दोषरोगोत्पाद — रक्त दोष

Scanned with OKEN Scanner

③ अधिष्ठान – अक्षि मण्डल

④ आधुनिक पर्याय – Generalized odema

⑤ लक्षण – दाह: ——①
– क्लेद (Discharges) ——②
– निस्तोद ——③
– रक्तभा ——④
– श्रम: ——⑤
– कण्डू ——⑥

⑥ चिकित्सा सूत्र – लेखन कर्म / साध्य व्याधि
– औषधि चिकित्सा

– पित्त उत्क्लिष्ट ——①
– कफ उत्क्लिष्ट ——②
– रक्त उत्क्लिष्ट ——③
– त्रिदोष उत्क्लिष्ट ——④

– सिर व्याध ——①
– स्नेहपान ——②
– विरेचन ——③
– नस्य कर्म ——④
– परिषेक ——⑤
– प्रक्षालन ——⑥
– सिरो लेप / अक्षि लेप ——⑦

• वर्त्मबन्ध •

- वर्त्मबन्ध is directly co-relates with the Generalized oedema of eye lids.

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

- factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोषरोग उपाय — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम - वर्त्मबन्ध — ①

② दोषनाम - त्रिदोष
- वात दोष कफदोष
- पित्त दोष

Scanned with OKEN Scanner

③ अधिष्ठान – वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय – Generalized oedema

⑤ लक्षण – unable to close eye — ①

– swollen eyelids — ②

– Itching — ③

– वेदना — ④

– दाह — ⑤

⑥ चिकित्सा सूत्र – लेखन कर्म

साध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

बहलवर्त्म (multiple swelling of eye lids)

बहलवर्त्म is directly co-relates with the

- Chalazion
- Follicular conjunctivitis
- Trachoma.

Ref — शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors —

- व्याधिनाम — ①
- दोषरोग व्याध — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

- आधिमान - बहल वर्त्म

- अधिष्ठान - वर्त्म मण्डल

- दोषमान - त्रिदोषज
  - वात दोष — ①
  - पित्त दोष — ②
  - कफ दोष — ③

- आधुनिक पर्याय - Multiple swelling in the eyelids.

- लक्षण's - swelling — ①
  - Inflammation — ②
  - दाह — ③
  - तोद — ④
  - शोफ — ⑤
  - कण्डू — ⑥

- चिकित्सा सूत्र - लेखन कर्म / साध्य आदि

Scanned with OKEN Scanner

पोथकी (Trachoma)

पोथकी directly co-relates with the Trachoma type of व्याधि in accordance with the शालाक्य तंत्र.

(Long lasting व्याधि)
(One among the पिल्ल रोगs)

- Ref — शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors —

— व्याधिनाम — ①
— दोषदोषप्रकोप — ②
— अधिष्ठान — ③
— आधुनिक पर्याय — ④
— लक्षण — ⑤
— चिकित्सा सूत्र — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम - पोथकी

② दोषनाम - कफ दोष Predominant

③ अधिष्ठान - वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय - Trachoma

⑤ चिकित्सा सूत्र - लेखन कर्म
साध्य व्याधि

⑥ लक्षण - white colour — ①
— produced by कफ दोष — ②
— शोथ — ③
— discharges — ④
— pain — ⑤
— itching — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

वर्त्म शर्करा : (Multiple swelling)

वर्त्म शर्करा is directly co-relates with the multiple swelling in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम —— (1)
- दोष दौष्यादि —— (2)
- अधिष्ठान —— (3)
- आधुनिक पर्याय —— (4)
- लक्षणा's —— (5)
- चिकित्सा सूत्र —— (6)

Scanned with OKEN Scanner

(1) व्याधिनाम — वर्त्म शर्करा

(2) दोषनाम — त्रिदोष
— वात दोष — (1)
— पित्त दोष — (2)
— कफ दोष — (3)

(3) अधिष्ठान — वर्त्म मण्डल

(4) आधुनिक पर्याय — Local multiple swellings in eye lids.

(5) लक्षण's — रूक्षत्वा — (1)
— सूक्ष्म type — (2)
— पिडिका's — (3)
— स्थूला — (4)

(6) चिकित्सा सूत्र — लेखन कर्म / साध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

कुम्भीका पिडिका (Multiple swelling in eyelids)

कुम्भीका पिडिका is directly co-relates with the Blepharitis, Multiple styes.

meibomian gland.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोष रोगत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम – कुम्भीका पिडिका

② दोषरोगवाद – त्रिदोष
– वात दोष — ①
– पित्त दोष — ②
– कफ दोष — ③

③ अधिष्ठान – वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय – Multiple styes
– cysts.

⑤ लक्षण – discharges — ①
– दाह: — ②
– Inflammation — ③
– शोथ — ④
– कण्डू — ⑤
– शूल — ⑥.

⑥ चिकित्सा सूत्र – लेखन कर्म / साध्य व्याधि

Scanned with OKEN Scanner

उत्संगिनी (Multiple swelling in Lower lid).

उत्संगिनी is directly co-relates with the chalazion (stye). in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम —— ①
- दोष नाम —— ②
- अधिष्ठान —— ③
- आधुनिक पर्याय —— ④
- लक्षणां —— ⑤
- चिकित्सा सूत्र —— ⑥

① व्याधिनाम - उत्संगिनी (Chalazion)

Scanned with OKEN Scanner

(2) दोषनाम - त्रिदोष

- वात दोष — (1)
- पित्त दोष — (2)
- कफ दोष — (3)

(3) अधिष्ठान - वर्त्म मण्डल

(4) आधुनिक पर्याय - Chalazion (Stye)

- Multiple swelling.

(5) लक्षण/s - उत्संग पिडिका — (1)

- Brown colour — (2)
- Multiple swelling — (3)
- दाह: — (4)
- Inflammation — (5)
- सिरव्याधि — (6)

(6) चिकित्सा सूत्र - लेखन कर्म / साध्य व्याधि

- छेदन कर्म
- भेदन कर्म

Scanned with OKEN Scanner

अविलम्बवर्त्म (odema)

अविलम्बवर्त्म is directly co-relates with the muco purulant conjunctivitis.

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

- Factors -

- व्याधिनाम —— ①
- दोषरोगव्याद —— ②
- अधिष्ठान —— ③
- आधुनिक पर्याय —— ④
- लक्षणं —— ⑤
- चिकित्सा सूत्र —— ⑥
- साध्य / असाध्यता —— ⑦.

① व्याधिनाम - अविलम्ब वर्त्म

Scanned with OKEN Scanner

② रोगउत्पादक दोष — त्रिदोष
— वात दोष — ①
— पित्त दोष — ②
— कफ दोष — ③

③ अधिष्ठान — वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय — Muco purulant conjunctivitis

⑤ लक्षण's — swollen — ①
— discharge — ②
— Moistness. — ③
— Pricking pain — ④
— Itching — ⑤

⑥ चिकित्सा सूत्र — अशस्त्रकृत कर्म
— भेषज साध्य

Scanned with OKEN Scanner

क्लिन्न वर्त्म (oedema of lids)

- क्लिन्न वर्त्म is directly co-relates with the oedema of lids in accordance with the शालाक्य तंत्र
- Muco purulent discharge + conjunctivitis.
- Ref — शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता
- Factors —
  - व्याधिनाम —— ①
  - दोषनाम —— ②
  - अधिष्ठान —— ③
  - आधुनिक पर्याय —— ④
  - लक्षणांs —— ⑤
  - चिकित्सा सूत्र —— ⑥.

① व्याधिनाम — क्लिन्न वर्त्म

Scanned with OKEN Scanner

② दोषनाम – कफ दोष Predominant

③ अधिष्ठान – वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय – Muco Purulant conjunctivitis

⑤ लक्षण – Sticking together (संसक्त पुनः पुनः)
– Suppuration
– discharges.
– Sometime swelling.

⑥ चिकित्सा सूत्र – अशस्त्रकृत
– भेषज साध्य

Scanned with OKEN Scanner

वर्त्म अर्बुद

वर्त्मार्बुद is directly co-relates with the palpebral conjunctiva in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम —— ①
- दोष उत्पादक रोग —— ②
- अधिष्ठान —— ③
- आधुनिक पर्याय —— ④
- लक्षण —— ⑤
- चिकित्सा सूत्र —— ⑥

Scanned with OKEN Scanner

① व्याधिनाम - वर्त्म अर्बुद

② दोषनाम - त्रिदोष

- वात दोष —— ①
- पित्त दोष —— ②
- कफ दोष —— ③

③ अधिष्ठान - वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय - Palpebral conjunctiva Tumor

⑤ लक्षणs — circular —— ①
- cyst like growth —— ②
- Painless —— ③
- वेदना —— ④
- अर्बुद —— ⑤
- दाह: —— ⑥
- शिरोशूल: —— ⑦

⑥ चिकित्सा सूत्र - छेदन कर्म + औषधि चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

शुक्तार्श (Papillary Projection from inner surface).

शुक्तार्श is directly co-relates with the Papillary Projection in accordance with the शालाक्य तंत्र.

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोष दूष्य उत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

Scanned with OKEN Scanner

(1) व्याधिनाम — शुक्लार्श

(2) दोषनाम — त्रिदोष
- वात दोष — (1)
- पित्त दोष — (2)
- कफ दोष — (3)

(3) अधिष्ठान — वर्त्म मण्डल

(4) आधुनिक पर्याय — Papillary Projection
Granuloma

(5) लक्षण's — Lengthy growth — (1)
- रूक्षता — (2)
- स्तब्धता — (3)
- दाह — (4)
- तीव्र वेदन — (5)
- तोद — (6)

(6) चिकित्सा सूत्र — छेदन कर्म / प्रच्छन्न कर्म
+ औषधि चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

अर्शोवर्त्म : (Granuloma form of Polyp).

- अर्शोवर्त्म directly co-relates with the granuloma in accordance with the शालाक्य तंत्र

- Predisposing factors –

- Granuloma —— ①
- Polyp —— ②
- Papillary formation —— ③
- Trachoma —— ④

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधिनाम —— ①
- दोष नाम —— ②
- अधिष्ठान —— ③
- आधुनिक पर्याय —— ④
- लक्षण's —— ⑤
- चिकित्सा सूत्र —— ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

1. व्याधिनाम — अर्शोवर्त्म
2. दोषनाम — त्रिदोष
3. अधिष्ठान — वर्त्म मण्डल
4. आधुनिक पर्याय — Polyp, granuloma, wart.
5. लक्षण — बीज प्रतिमा — 1
   — मन्द वेदना — 2
   — सूक्ष्मा — 3
   — स्तब्धता — 4
   — रुक्षता — 5
6. चिकित्सा सूत्र — छेदन कर्म
   साध्य व्याधि + औषधि
   चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

बिसवर्त्म (ulcerative conjunctivitis)

बिसवर्त्म is directly co-relates with the ulcerative conjunctivitis in accordance with the शालाक्य तंत्र

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता
- Videos
- व्याधिनाम — ①
- दोषनाम — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥.

Scanned with OKEN Scanner

1. व्याधिनाम - किसि वर्त्म
2. दोषनाम - त्रिदोष
   - वात दोष — 1
   - पित्त दोष — 2
   - कफ दोष — 3
3. अधिष्ठान - वर्त्म मण्डल
4. आधुनिक पर्याय - Cellulitis
5. लक्षण - Swollen eyelid. — 1
   - Multiple minute pores — 2
   - Lotus Plant Soaked — 3
   - Swelling — 4
   - तीव्र — 5
   - तोद — 6
   - दाह: — 7
6. चिकित्सा - ~~[illegible]~~ क भेदन कर्म + साध्य क्याधि

Scanned with OKEN Scanner

• अंजननामिका • (stye)

अंजननामिका is directly co-relates with the stye (external Hord colum) in accordance with the शालाक्य तंत्र.

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहित

- Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोष नाम — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम — अंजननामिका

Scanned with OKEN Scanner

(2) दोष नाम — रक्त

(3) अधिष्ठान — वर्त्म मण्डल

(4) आधुनिक पर्याय — Stye (Hordeolum)

(5) लक्षण/s — दाह: — (1)
- Pricking — (2)
- Copper coloured — (3)
- दाह! चक्षु — (4)
- तोद — (5)
- sensation — (6)

(6) चिकित्सा — भेदन कर्म / साध्य व्याधि
+ औषधि चिकित्सा
- स्वेदन — (1)
- प्रतिसारण — (2).

Scanned with OKEN Scanner

लगण (Chalazions)

लगण is directly co-relates with the chalazion inaccordance with the शालाक्य तंत्र

Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors –

- व्याधिनाम — ①
- दोषनाम — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

1) व्याधिनाम – लगण (chalazion)

2) दोषनाम – कफ दोष

Scanned with OKEN Scanner

- अधिष्ठान — वर्त्म मण्डल
- आधुनिक पर्याय — Chalazion
- लक्षण — Small cysts — ①
  - स्तब्धता — ②
  - स्थिरता — ③
  - Painless — ④
  - Itching — ⑤
  - Stickiness — ⑥
- चिकित्सा — छेदन कर्म + साध्य व्याधि + औषधि चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

वर्त्मार्श (रक्त) (Papilloma)

वर्त्मार्श is directly co-relates with the Papilloma is directly in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम —— ①
- दोषनाम —— ②
- अधिष्ठान —— ③
- आधुनिक पर्याय —— ④
- लक्षणाः —— ⑤
- चिकित्सा सूत्र —— ⑥.

① व्याधिनाम - वर्त्मार्श

② दोष नाम - रक्त / त्रिदोषज

③ अधिष्ठान - वर्त्म मण्डल

Scanned with OKEN Scanner

④ आधुनिक पर्याय – eye lid Papilloma

⑤ लक्षण's – पिडिका's — ①
– Itching — ②
– रूक्षता — ③
– स्तब्धता — ④
– seeds like — ⑤
– स्थिरता — ⑥

⑥ चिकित्सा सूत्र – त्रिदोषज / रक्तज
– असाध्य व्याधि
A/c to सुश्रुत – exception

Scanned with OKEN Scanner

वातहत वर्त्म (Ptosis)

वातहत वर्त्म is directly co-relates with the Ptosis in accordance with शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors -

- व्याधिनाम —— ①
- दोषनाम —— ②
- अधिष्ठान —— ③
- आधुनिक पर्याय —— ④
- लक्षण's —— ⑤
- चिकित्सा सूत्र —— ⑥

① व्याधिनाम - वातहत वर्त्म

② दोषनाम - वात दोष

Scanned with OKEN Scanner

③ अधिष्ठान — वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय — Ptosis

⑤ लक्षण's — Dislocation — ①
— Inability to close — ②
— Pain — ③
— दाह — ④
— शोथ — ⑤
— सिर व्याधि — ⑥

⑥ चिकित्सा सूत्र — असाध्य व्याधि + औषधि चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

• निमेष • (Blepharospasm)

- निमेष is directly co-relates with the Blepharospasm in accordance with the शालाक्य तंत्र

- Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors

- व्याधिनाम ——— ①
- दोषकनाम ——— ②
- अधिष्ठान ——— ③
- आधुनिक पर्याय ——— ④
- लक्षणों ——— ⑤
- चिकित्सा सूत्र ——— ⑥

① व्याधिनाम — निमेष

② दोष नाम — वात दोष

Scanned with OKEN Scanner

- अधिष्ठान – वर्त्म मण्डल
- आधुनिक पर्याय – Blepharospasm.
- लक्षणं – Excessive Movements of eye lids. — ①
  - itching — ②
  - कण्डू — ③
  - शोथ — ④
  - Inflammation — ⑤
- चिकित्सा सूत्र – असाध्य व्याधि
  - Incurable to cure.

Scanned with OKEN Scanner

पक्ष्मकोप (Trichiasis)

Trichiasis is directly co-relates with the पक्ष्मकोप in accordance with the शालाक्य तंत्र

Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

Factors

- व्याधिनाम — ①
- दोष-रोगमत्पाद — ②
- अधिष्ठान — ③
- आधुनिक पर्याय — ④
- लक्षण's — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥

① व्याधिनाम - पक्ष्मकोप

② दोषरोगमत्पाद - त्रिदोषज
- वातज — ①
- पित्तज — ②
- कफज — ③

③ ~~[struck-through word]~~ –

③ अधिष्ठान – वर्त्म मण्डल

④ आधुनिक पर्याय – Trichiasis

⑤ लक्षण – रूक्षता — ①
– स्थिरता — ②
– स्तब्धता — ③
– वेदन — ④
– epilation — ⑤

⑥ लक्षण + चिकित्सा – याप्य चिकित्सा

– प्रवकाश छेदन — ①
– अग्नि — ②
– क्षार — ③
– छेदन कर्म — ④

– स्नेहपान — ①
– उपविषतस्य — ②.

कृच्छ्रोन्मीलं (Blepharospasm)

कृच्छ्रो – difficulty — ①

उन्मीलं – opening — ②

दोष – वात — ③

- Ref – शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors –

- व्याधिनाम — ① – कृच्छ्रोन्मीलं
- दोषनाम — ② – वात दोष
- अधिष्ठान — ③ – वर्त्म मण्डल
- आधुनिक पर्याय — ④ – Blepharospasm
- लक्षण's — ⑤ – eyes filled with sand
  - discharge
- चिकित्सा सूत्र — ⑥ – औषधि चिकित्सा

Scanned with OKEN Scanner

Kukunaka (opthalmia Neonatorum)

- Kukunaka is directly co-relates with the opthalmia Neonatorum. In Accordance with the शालाक्य तंत्र.

- Ref - शालाक्य तंत्र / सुश्रुत संहिता

- Factors -

- व्याधिनाम — ①
- दोषनाम — ②
- अधिष्ठान — ③
- आद्युनिवर्तय — ④
- लक्षण — ⑤
- चिकित्सा सूत्र — ⑥
  - अञ्जन
  - लेखन
  - वमन
  - प्रतिसारण
  - आश्चोतन
  - परिषेक

कुकूणक:
त्रिदोष + रक्तज
वर्त्म मण्डल
opthalmia Neonatorum
Rubbing of eyes.
Photophobia
excessive lacrimation
Discharge

Scanned with OKEN Scanner